RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 जब लेडी गागा ने चंकी पांडे की

वर्ष : 26 | अंक : 12 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 02 जनवरी, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

हिट एंड रन कानून के खिलाफ आंदोलन

दूसरे दिन भी हड़ताल जारी जगह-जगह चक्का जाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिट एंड रन को लेकर केंद्र सरकार के नए कानून को लेकर बस और ट्रक ड्राइवर्स देशभर में प्रदर्शन कर रहे हैं। हड़ताल का आज दूसरा दिन है। विरोध प्रदर्शन में ट्रक डाइवर्स और डंपर्स चालकों ने चक्का जाम कर दिया है जिसकी वजह से आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात ये हो गए हैं कि देश में कई जगहों पर पेट्रोल और डीजल की भारी कमी हो गई है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड समेत कई राज्यों में हड़ताल का असर दिखाई दे रहा है।

यूपी की राजधानी लखनऊ में 900 बसों के पहिए पांच घंटे तक थमे रहे। रोडवेज के साथ अनुबंधित बसों से सफर करने वाले 62 हजार यात्री परेशान हुए। वहीं आटो व टेम्पो का संचालन भी ड्राइवरों ने बाधित किया, जिसके 10 हजार यात्री प्रभावित हुए। बसों की हड़ताल से शहर में यातायात जाम हो गया। ट्रांसपोर्टनगर और अमौसी में कामर्शियल वाहन खड़े होने से जरूरी सामानों की सप्लाई चेन टूट गई।

इस कानून को लेकर ड्राइवर्स में जबरदस्त गुस्सा है। इन लोगों का कहना है कि ये सरासर गलत है। सरकार को ये कानून वापस लेना चाहिए। ट्रक चालकों की हड़ताल का असर नवी मुंबई स्थित एपीएमसी सब्जी मार्केट पर भी पड़ता देखने को मिला। आम तौर पर एपीएमसी मार्केट में हर रोज 600 से 700 ट्रक सब्जियां सप्लाई होती थीं, लेकिन आज केवल 500 गाड़ियां मार्केट में पहुंची हैं। होलसेल विक्रेताओं (शेष पृष्ठ-3 पर)

स्क्रैप माफिया रवि काना पर पुलिस ने कसा शिकंजा

पत्नी समेत 16 पर गैंगस्टर, कल दर्ज हुआ था बलात्कार का मुकदमा

नोएडा (चेतना मंच)। कुख्यात सरिया और स्क्रैप माफिया रवि नागर उर्फ़ रवि काना के खिलाफ गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट पूरी तरह से एक्शन मोड में है। रवि नागर व उसके गुर्गों के खिलाफ बलात्कार का मुकदमा दर्ज होने के बाद थाना बीटा-2 पुलिस ने स्क्रैप माफिया, उसकी पत्नी सहित 16 लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के एक्शन मोड़ से माफियाओं में खलबली मची हुई है।

थाना बीटा-2 प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के ग्राम दादूपुर दनकौर निवासी रवि नागर उर्फ रविंद्र सिंह उर्फ रवि काना पुत्र यतेंद्र, उसकी पत्नी मधु, राजकुमार नागर पुत्र बलराज निवासी ग्राम दादूपुर, तरुण छोंकर पुत्र स्व. बिजेंद्र निवासी सरायथला सोहना गुरुग्राम हरियाणा, अमन पुत्र राजेश (शेष पृष्ठ-3 पर)

सरिया व स्क्रैप के अवैध व्यवसाय में है रवि काना का बोलबाला

गैंगस्टर एक्ट में निरुद्ध किया गया रवि नागर उर्फ़ रवि काना का सरिया के अवैध व्यवसाय के साथ-साथ स्क्रैप के व्यापार में भी खासा बोलबाला है। रवि के इशारे पर उसके गुर्गे ग्रेटर नोएडा की फैक्ट्री से निकलने वाले स्क्रैप के टेंडर को मनचाही दर पर उठाते हैं। आलम यह है कि रवि नागर के इशारे पर उसके गुर्गे अपनी कंपनी तथा सहयोगियों की बेनामी कंपनियों के नाम बाजार रेट का 1 से 10 प्रतिशत यानी अत्यंत न्यूनतम दर पर टेंडर प्राप्त करते हैं। स्क्रैप के व्यापार में रवि का इस कदर बोलवाला है कि कोई उसके सामने टेंडर डालने की हिम्मत नहीं करता है। अगर कोई व्यक्ति टेंडर भर भी देता है तो उसके गुर्गे उसे भयभीत कर टेंडर वापस लेने पर मजबूर कर देते हैं। पुलिस के मुताबिक रवि नागर की कंपनी प्राइम प्रेसिंग (शेष पृष्ठ-3 पर)

स्क्रैप कारोबार के विवाद में हुई थी गैंगस्टर के भाई की हत्या

पुलिस के मुताबिक सरिया के अवैध कारोबार के चलते रवि नागर के बड़े भाई हरेंद्र प्रधान की हत्या सुंदर भाटी गिरोह ने की थी। हालांकि इस हत्या के पीछे कुछ लोगों का कहना है कि हरेंद्र प्रधान का सरिया के कारोबार के साथ-साथ राजनीति में भी लगातार कद बढ़ रहा था। इसी कारण उसकी सुंदर भाटी गैंग से ठन गई थी। हरेंद्र प्रधान की तत्कालीन समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान पार्टी के नेताओं से गहरी पैट थी। इसी कारण उसने सरिया व स्क्रैप के अवैध कारोबार में अपना एक अलग मुकाम बना लिया था। सरिया के कारोबार पर वर्चस्व को लेकर वर्ष 2015 में ग्रेटर नोएडा के नियाना गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गए हरेंद्र प्रधान और उनके सरकारी गनर भूदेव शर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। परिजनों ने सुंदर भाटी व उनके गुर्गों के खिलाफ हत्या किए जाने (शेष पृष्ठ-3 पर)

चार शराब तस्कर गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस ने अलग-अलग स्थान से अवैध रूप से शराब बेचने का आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है इनके पास से अंग्रेजी व देशी शराब बरामद हुई है। थाना फेस-3 पुलिस ने मुकर के सूचना के आधार पर तिकोना पार्क के पास शराब बेच रहे राहुल कुमार पुत्र बलबीर सिंह निवासी ग्राम मामूरा को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से चार पेटी बेस्टो व्हिस्की हरियाणा मार्का की बरामद हुई। पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वह गैर प्रांत से सस्ते दारू पर शराब लाकर लोगों को बेचता है। इसी थाना क्षेत्र की पुलिस ने होटल ऑरेंज पाई के पास बिजली घर पर खड़े सविकांत को गिरफ्तार किया इसके पास से 70 पव्वे इंपैक्ट ग्रीन व्हिस्की के बरामद हुए। थाना सेक्टर-49 पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर बरौला गांव के पास से राजू उर्फ राजीव पुत्र भगवान दिन को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से (शेष पृष्ठ-3 पर)

प्राधिकरण में तालाबंदी करने पहुंचे सैकड़ों किसान

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान परिषद के बैनर तले आज सैकड़ों किसान नोएडा प्राधिकरण में तालाबंदी करने पहुंचे। खबर लिखे जाने तक किसानों का हुजूम जुट रहा था। आज सुबह से ही सेक्टर-6 स्थित प्राधिकरण के बाहर धरनास्थल पर सैकड़ों किसानों का जमावड़ा शुरू हो गया था। जिसमें काफी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। भारतीय किसाना परिषद के अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने बताया कि आज वे प्राधिकरण में तालाबंदी करके ही रहेंगे। वर्षों से धरना (शेष पृष्ठ-3 पर)

अलग-अलग स्थानों पर दो ने लगाई फांसी

नोएडा (चेतना मंच)। घरवालों की डांट से नाराज होकर दो युवकों ने अलग-अलग स्थान पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिले हैं। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना फेस-2 प्रभारी ने बताया कि मूल रूप से बिहार निवासी अरविंद कुमार अपने परिजनों के साथ नंगला चरण दास गांव में रह रहे हैं। बीती शाम अरविंद कुमार की पत्नी ने अपने (24 वर्षीय) बेटे मुकेश को किसी बात पर डांट दिया था। मां की डांट से नाराज मुकेश अपने कमरे में चला गया और फांसी लगा ली। कुछ देर बाद जब उसकी मां कमरे में पहुंची तो मुकेश फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। परिजनों ने पड़ोसियों की मदद से उसे फंदे से उतारा और डॉक्टर के पास ले गए। डॉक्टर ने परीक्षण के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर थाना फेस-2 पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

वहीं थाना दादरी क्षेत्र के सुपरटेक निकोलस-3 में रहने वाले युवक ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। मूल रूप से गोरखपुर निवासी महेंद्र सिंह पांडे के (19 वर्षीय) बेटे आदित्य ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आदित्य को उसके माता-पिता ने मोबाइल फोन चलाने पर डांट दिया था। इस बात से नाराज होकर उसने फांसी लगा ली । आदित्य पास की ही एक कार गैराज में काम सीख रहा था।

कार में टक्कर मारकर फायरिंग करने वाले तीन आरोपी दबोचे

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने कार में टक्कर मारकर दिनदहाड़े एक व्यक्ति पर फायरिंग करने के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में एक आरोपी फरार चल रहा है जिसकी गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है। थाना प्रभारी सर्वेश सिंह ने बताया कि बरौला गांव निवासी भागेंद्र का अपने पड़ोसी सचिन व उसके परिवार से झगड़ा चल रहा है। रविवार की रात को सचिन तथा उसके सहयोगियों ने उसके भांजे विक्की में बैठे गौरव के साथ मारपीट की। भागेंद्र ने इसकी शिकायत एक बार फिर थाना सेक्टर-49 पुलिस से की। (शेष पृष्ठ-3 पर)

प्राधिकरण ने घरों के अवैध रैंप तोड़े

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अतिक्रमण हटाओ दस्ते ने आज सेक्टर पी-3 में घरों में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बाहर अवैध रूप से बनाए गए रैंप को ध्वस्त कर दिया। प्राधिकरण की इस कार्रवाई से लोगों में हड़कंप मच गया। कुछ लोगों ने प्राधिकरण की इस कार्रवाई का विरोध करने का प्रयास किया लेकिन पुलिस बल के सामने उनकी एक नहीं चली।

प्राधिकरण के सीनियर मैनेजर नागेंद्र सिंह के नेतृत्व में प्राधिकरण कर्मियों का दस्ता ग्रेटर नोएडा के सेक्टर पी-3 पहुंचा। प्राधिकरण कर्मियों ने (शेष पृष्ठ-3 पर)

आज भाजपा मुख्यालय, लखनऊ में भाजपा के वरिष्ठ प्रचारक एवं पूर्व संगठन मंत्री हृदयनाथ सिंह के निधन पर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक व केशव प्रसाद मौर्य व वित्तमंत्री सुरेश खन्ना आदि।

16 जनवरी तक विद्युत उपभोक्ताओं को मिलेगा ओटीएस योजना का लाभ : राजीव मोहन

नोएडा (चेतना मंच)। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए नव वर्ष में भी एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस स्कीम) की तिथि बढ़ा दी है। अब उपभोक्ता 16 जनवरी तक इसका लाभ उठा सकेंगे।

विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता राजीव मोहन ने चेतना मंच को बताया कि इस योजना की मियाद बढ़ाने से विद्युत विभाग को काफी राजस्व मिलना तय है। बता दें कि इसके पूर्व इस योजना का तीसरा चरण 31 दिसंबर तक था।

इस चौथी योजना में भी इसके तीसरे चरण वाली छूट ही मिलेगी। 8 नवंबर को शुरू हुई ओटीएस स्कीम में अभी तक 60 हजार बकायेदारों को लाभ मिला है। इससे विभाग को करीब 9 करोड़ का राजस्व मिला है। इस योजना के तहत जनपद में 1.49 लाख बकायेदार शामिल थे। सभी पर विभाग का करीब 400 करोड़ रूपये का राजस्व बकाया था। इस योजना में बकाया बिल के ब्याज पर 40-100 प्रतिशत छूट मिली थी।

ओटीएस की पहली योजना 8-15 नवंबर, दूसरी 16-30 नवंबर तथा तीसरी योजना 1-31 दिसंबर तक चली थी। अब इसे बढ़ाकर 16 जनवरी कर दिया गया है।

पांचवें दिन भी स्थिर हालत है 'आप' जिलाध्यक्ष की

नोएडा (चेतना मंच)। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष भूपेद्र सिंह जादौन की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। पांच दिनों बाद भी उनको अभी होश नहीं आया है तथा वे आईसीयू में हैं। मालूम हो कि 28 दिसंबर को भूपेन्द्र सिंह जादौन को ब्रेन हैमरेज हो गया था तथा सेक्टर-50 स्थित नियो हॉस्पीटल में उनका ऑपरेशन हुआ था। डाक्टर राजीव मोतयानी ने बताया कि अभी रिकवर होने में वक्त लगेगा।

पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता संजीव निगम ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह और माइनॉरिटी विंग जिलाध्यक्ष दिलदार अंसारी अन्य पदाधिकारियों के साथ 28 दिसंबर की रात में ही नियो अस्पताल पहुंचे व परिवार के सदस्यों से मुलाकात की।डॉक्टरों के अनुसार सर्जरी के बाद से अभी तक भूपेंद्र जादौन आई सी यू में ही है और अभी सुधार होने में समय लगेगा। आज आई सी यू में पाँच दिन हो चुके है।पार्टी के सभी साथी भूपेंद्र जादौन के जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहे है। खेलकूद प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष मीनाक्षी श्रीवास्तव, (शेष पृष्ठ-3 पर)

जानलेवा हमले का आरोपी दबोचा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 पुलिस में जानलेवा हमला करने के आरोप में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में दो अन्य अज्ञात लोगों की तलाश कर रही है। थाना प्रभारी राम प्रकाश गौतम ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर बरौला गांव निवासी विक्की पुत्र बृजेश को गिरफ्तार किया गया है।उन्होंने बताया कि विक्की का पारिवारिक विभाग सागर बैसोया से चल रहा है। इसी विवाद के चलते विक्की ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर 31 दिसंबर की रात्रि को सागर बेशवाया के साथ लाठी डंडों से मारपीट की सागर बैसोया को मरणासन्न हालत में छोड़कर आरोपी मौके से फरार हो गए थे। पीड़ित के प्रश्नों ने इस मामले में विक्की तथा दो अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

योगेन्द्र शर्मा पैनल के समर्थन में 19 ने वापस लिये नामांकन

फोनरवा चुनाव-2023

नोएडा (चेतना मंच)। फोनरवा-2023 के चुनाव में नामांकन करने वाले 19 प्रत्याशियों ने योगेन्द्र शर्मा, के.के. जैन के समर्थन में अपना नामांकन वापस ले लिया।

जिन लोगों ने नामांकन वापस लिया है उसमें उपाध्यक्ष पद के लिए दीपक शर्मा, सोमेन्द्र कुमार, रामपाल भाटी, प्रदीप मिश्रा, बलराज गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए श्याम सिंह, सचिव पद कस लिए विकान्त बैसोया, जंगवीर सिंह, नन्दकिशोर सोलंकी, पवन गोयल, प्रमोद गुप्ता, सह-सचिव पद के लिए दिलीप मिश्रा, ब्रहमपाल चौधरी, कुलदीप सिंह, श्रीमती अंजना भागी, कोषाध्यक्ष पद के लिए रामेश्वर शर्मा, सह कोषाध्यक्ष पद के लिए सोमपाल सिंह, जितेन्द्र सिंह तथा सचिव विधिक के लिए सुभाष भाटी के नाम शामिल हैं। यह जानकारी चुनाव अधिकारी शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि अब प्रत्याशियों की कुल संख्या 43 रह गई है। कुल 62 प्रत्याशियों ने नामांकन किया था। 7 जनवरी को चुनाव होंगे तथा उसी दिन देर शाम परिणाम भी घोषित हो जाएंगे।

ISHWAR PHYSIO CARE
PHYSIOTHERAPY & REHABILITATION
Dr. Ankur Sharma (PT)
Physical Therapy For Elderly
Neurological Therapy
Orthopedic Physiotherapy
Sports Physiotherapy
Home Visit Available
9990144473, 8130990799
C-16, Jaipuria Building, Kaushambi

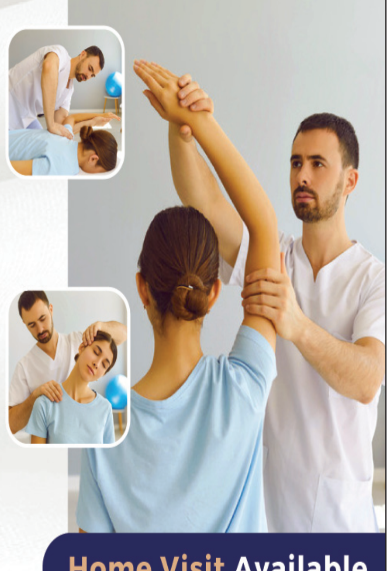

अयोध्या 'राममय'

प्रभु राम के बिना भारत और लोकतंत्र की कल्पना ही नहीं की जा सकती। नया साल शुरू हुआ है, तो उससे पहले ही भारत और अयोध्या 'राममय' होने लगे हैं। दरअसल यह हिंदुओं का ही नहीं, राष्ट्र के उत्सव का दौर है। देश के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गौरव का दौर है। ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद के मंत्रोच्चार को सुनें और यज्ञों को देखें, तो वैदिक काल लौटता लगता है। यही हमारी सनातन परंपरा है। अयोध्या में उन कारसेवकों की आत्मा की शांति के लिए भी पूजन किए गए हैं, जिन्हें 'राममय' मान कर गोलियों से भून दिया गया था। बहरहाल उस अध्याय को हम विस्मृत करने के पक्ष में हैं, क्योंकि यह प्रभु राम की वापसी का सकारात्मक काल है। नववर्ष पर अयोध्या का नया, सजा-संवरा और समर्पित रूप देखकर मन गदगद होता है। अयोध्या देवनगरी थी, प्रभु राम की जन्मस्थली थी और आज भी उसका स्थान बैकुंठ से कम नहीं है। प्रभु राम के जयघोष हैं, मंत्रोच्चार, शंखनाद और फूलों की बरसात भी है, क्योंकि राम अयोध्या में अपने महलनुमा मंदिर में प्रतिष्ठित होने जा रहे हैं। अयोध्या को कभी 'अभिशप्त नगरी' भी मान लिया गया था। वह राजनेताओं की दुर्बुद्धि और आसुरी कर्म था। वे अयोध्या में प्रवेश करने से हिचकते थे, क्योंकि एक निश्चित वोट बैंक के खोने की आशंका थी। अदालत ने भी कुछ पाबंदियां थोप दी थीं। मीडिया के कैमरे भी बंद करा दिए गए थे। अयोध्या में एक जमात 'बाबरी-बाबरी' के राग अलापती थी। आज उसके लिए भी प्रभु राम कण-कण में व्याप्त हैं। आज बाबरी मस्जिद के पक्षकार इकबाल अंसारी सरीखे भी अयोध्या में पुष्प-वर्षा कर रहे हैं। अब अयोध्या का परिसंस्कार किया जा रहा है। अयोध्या को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा मिला है। रेलवे का जंक्शन स्टेशन भी लोकार्पित किया गया है, जहां रेलगाडि़यां अयोध्या को देश के दूसरे महत्त्वपूर्ण हिस्सों से जोड़ेंगी। विमान और ट्रेन में 'जय श्रीराम' के उद्घोष गूंजते हुए सुनाई दिए। अयोध्या में पहले ही कुछ होटल थे। उनके अलावा, 20 और पंचतारा होटल निर्माणाधीन हैं। एक अनुमान है कि प्रभु राम की प्राण-प्रतिष्ठा, यानी 22 जनवरी, के बाद औसतन 3 लाख श्रद्धालु और पर्यटक हररोज अयोध्या में आएंगे। हिसाब लगाएं कि यदि इतने श्रद्धालु और पर्यटक अयोध्या आएंगे, तो उस नगरी और आसपास के इलाकों की अर्थव्यवस्था कितनी होगी? अयोध्या को भी, अर्थव्यवस्था के लिहाज से, रोम, मक्का-मदीना और तिरुपति मंदिर की जमात में रखा जा सकेगा। अयोध्या का वाकई कायाकल्प हो रहा है। आलेख के आरंभ में हमने प्रभु राम और भारत-लोकतंत्र के आपसी कल्पना का जिक्र किया था। भारत के संविधान में भी प्रभु राम और माता सीता का चित्र है। देश के प्रधान न्यायाधीश की सीट पर धर्म की व्याख्या है, लिहाजा राजनीति को प्रभु राम से अलग नहीं कर सकते। राजनीति लोकतंत्र का ही प्रारूप है, लेकिन शिवसेना (उद्धव गुट) के संजय राउत का कहना है कि अब भगवान राम को चुनाव प्रत्याशी बनाना ही शेष रह गया है। भाजपा वह भी कर सकती है। यह कुत्सित, नफरती और निंदनीय बयान है। राउत ने गोधरा से भी भयानक दंगों की आशंका किस आधार पर जताई है? हालांकि डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने फिर भी ठीक कहा है कि वह सिर्फ हिंदुओं के ही राम नहीं हैं, बल्कि पूरे विश्व के राम हैं।

बीते वर्ष में आत्मनिर्भर बनने के संकल्प के पथ पर भारत ने नई रेखाएं खींची

बीते वर्ष में सकारात्मकता की नयी तस्वीरें सामने आयी। ज्यादातर बड़ी सकारात्मक खबरें आर्थिक उपलब्धियों और नये राजनीतिक समीकरणों से जुड़ी हैं। साल के अंत में हुए विधानसभा चुनावों, महिला सशक्तीकरण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, नए संसद भवन के उद्घाटन, हर क्षेत्र में स्वदेशी की शक्ति और संसदीय-राजनीति, सुप्रीम कोर्ट के कुछ बड़े फैसलों, चंद्रयान-3 और आदित्य एल-1 मिशन जैसी वैज्ञानिक उपलब्धियां निराशा से ज्यादा आशाभरी खबरों ने आजादी के अमृतकाल में वास्तविक रूप में अमृतमय होने के संकेत दिये हैं। भारत की दिशा एवं दशा बदल रही है। बीते वर्ष में राजनीति से लेकर सामाजिक, आर्थिक से लेकर खेल तक, सुरक्षा से लेकर सौहार्द तक अनेक सकारात्मक दृष्टिकोण ने सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास को बल दिया है। चीन के हैंगजाऊ में हुए एशियाई खेलों में कई प्रकार के रिकॉर्ड तोड़ते हुए भारतीय खिलाड़ियों ने खेल की दुनिया में बड़ा कदम रखा। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है पदक तालिका में 'सौ से अधिक पदक' प्राप्त करना करना। यह उपलब्धि देश के आकार को देखते हुए पर्याप्त नहीं है, पर पिछले प्रदर्शनों से इसकी तुलना करें, तो बहुत बड़ी है। यह भारत के विकसित होते बदलते सामाजिक-आर्थिक स्तर को भी रेखांकित कर रही है। शेयर मार्केट तमाम कयासों को झुठलाते हुए उच्चस्तर पर बना हुआ है। जीडीपी में बढ़ोतरी हो रही है, साथ ही जीएसटी कलेक्शन भी बढ़ा हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 दिसंबर को समाप्त हुए सप्ताह में 20 माह के उच्चतम स्तर 616 अरब डॉलर हो गया है। 25 मार्च, 2022 के बाद का यह उच्चतम स्तर है।

आत्मनिर्भर बनने के संकल्प के पथ पर दौड़ रहे भारत ने हर क्षेत्र में स्वदेशी का लोहा मनवाया है। हमने युद्धपोत और हल्के लड़ाकू विमान से लेकर घातक ड्रोन तक बनाया है। देश में इस्तेमाल होने वाले 99 प्रतिशत मोबाइल हम खुद बना रहे हैं। अपने बूत चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरकर भारत ने पूरी दुनिया को चौंकाया है। 85 से अधिक देशों को भारत स्वदेशी हथियार, उपकरण, ड्रोन, कलपुर्जे निर्यात कर रहा है। रक्षा उत्पादों में हम आत्मनिर्भर बन रहे हैं। रक्षा उत्पादों के निर्यात में वर्ष 2013-14 की तुलना में 23 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। प्रसिद्ध लोकोक्ति है कि अपनी बुद्धि से साधु होना अच्छा, पराई बुद्धि से राजा होना अच्छा नहीं। लेकिन हम अपनी बुद्धि, कौशल एवं तकनीक से राजा बन रहे हैं।

वर्ष 2023 महिलाओं की दृष्टि से ऐतिहासिक रहा। खेल, राजनीति, विज्ञान, व्यापार जैसे क्षेत्रों में महिलाओं ने खूब नाम कमाए हैं। देश में सावित्री जिन्दल का नाम सबसे धनाढ्य महिलाओं में सामने आया, इसी तरह अनेक महिलाएं आर्थिक क्षेत्र में नये कीर्तिमान गढ़ रही है। इस वर्ष में महिला सशक्तीकरण का बिगुल तब बजा जब सितंबर माह में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का उद्घोष हुआ। संसद में केंद्र सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने की घोषणा की, यह

आत्मनिर्भर बनने के संकल्प के पथ पर दौड़ रहे भारत ने हर क्षेत्र में स्वदेशी का लोहा मनवाया है। हमने युद्धपोत और हल्के लड़ाकू विमान से लेकर घातक ड्रोन तक बनाया है। देश में इस्तेमाल होने वाले 99 प्रतिशत मोबाइल हम खुद बना रहे हैं।

ऐतिहासिक निर्णय नारी-भविष्य की तस्वीर बदल देगा। वर्तमान में लोकसभा के कुल 543 सदस्य हैं। वर्तमान में मौजूद सदन में महिलाएं 82 हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रभावी होने के बाद 181 महिला सांसद होगी। यह अंतर आंकड़ों भर का नहीं होगा अपितु यह अंतर एक सशक्त देश की तस्वीर उकेरेगा। घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न के दाग 2023 के अध्याय को कलंकित करते हैं, परंतु राहत की बात यह है कि केंद्रीय गृहमंत्री ने हाल ही में न्याय प्रणाली में सुधार के लिए 'भारतीय न्याय संहिता 2023' सहित तीन विधेयक पेश किए। भारतीय न्याय संहिता 2023 सन् 1860 की पुरानी दंड संहिता की जगह लेगी। भारतीय न्याय संहिता 2023 की प्रमुख शक्तियों में से एक महिला के विरुद्ध अपराधों से संबंधित प्रावधानों को दी गई प्राथमिकता में निहित है। महिला उत्पीड़न पर कड़ी सजा का प्रावधान विश्वास दिलाता है कि महिलाओं के विरुद्ध हो रहे अपराधों पर लगाम लगेगी। पिछले साल का अंत राहुल गांधी की 'भारत-जोड़ो यात्रा' के दिल्ली पड़ाव के साथ हुआ था और इस साल उस यात्रा का फलितार्थ था 26 प्रमुख विरोधी दलों ने 18 जुलाई को बेंगलुरु में 'नए गठबंधन इंडिया' की बुनियाद रखते हुए 2024 के लोकसभा चुनाव का बिगुल बजाना। राहुल गांधी के लोकसभा से अयोग्य घोषित होने और उनकी बहाली और संसद के शीत सत्र में 146 सांसदों के निलंबन ने संसदीय राजनीति से जुड़े कुछ गंभीर सवालों की ओर इशारा किया है।

हिंसा, आतंक एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने सांस्कृतिक एवं धार्मिक उत्थान एवं उन्नयन की अपूर्व परिवेश भी निर्मित किया गया, भारत के गौरव को पुनःस्थापित करने की अनूठी पहल हुई है। पांच सौ वर्षों के बाद अयोध्या में श्रीराम नये वर्ष के प्रारंभ में टेंट से मंदिर में स्थापित होंगे। वाराणसी में विश्वनाथ धाम परिसर का लोकार्पण भारत की राजनीतिक सोच को एक नया आयाम एवं दृष्टि देने का विशिष्ट उपक्रम कहा जा सकता है। हमारे देश की धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराएँ और आदर्श जीवन-मूल्य समृद्ध एवं सुदृढ़ रहे हैं, लेकिन पूर्व सरकारों ने उनके गौरव को राजनीतिक नजरिया देते हुए धूमिल किया है। लेकिन नये राजनीतिक सोच एवं सत्ता ने भारत को अपने सांस्कृतिक एवं धार्मिक वैभव से दुनिया को आकर्षित किया है, जो बीत वर्ष की सुखद घटनाएं कही जा सकती हैं। निश्चित रूप से काशी एवं अयोध्या राष्ट्रीयता का प्रतीक बनकर ये सशक्त भारत का आधार बनेगे। इससे न सिर्फ वहां जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिलेगी, बल्कि संकीर्ण दायरों में सिकुड़ते गए एक आस्था और सभ्यता के प्रतीक को भी गरिमा प्राप्त होगी। सुप्रीम कोर्ट ने 11 दिसंबर को एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 एक अस्थायी व्यवस्था थी, जिसे हटाए जाने का फैसला पूरी तरह संवैधानिक है। इस निर्णय ने अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी बनाए जाने के 5 अगस्त, 2019 के फैसले पर कानूनी मुहर लगा दी। वैश्विक राजनीति में भारत के हस्तक्षेप की दृष्टि से दिल्ली में हुए जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

काशी परिसर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भव्य एवं शालीन तरीके से करते हुए प्रत्येक भारत को स्व-आस्था, स्व-संस्कृति एवं स्व-अस्तित्व का अहसास कराया है। भारत का सांस्कृतिक वैभव दुनिया में बेजोड़ रहा है, लेकिन तथाकथित राजनीतिक स्वार्थों एवं संकीर्णताओं के चलते इस वैभव को दुनिया के सामने लाने की बजाय उसे विस्मृत करने की कुचेष्टाएं एवं षड़यंत्र लगातार होते रहे हैं। सुखद स्थिति है कि अब हमारी जागती आंखो से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास जागा है तो इससे जीवन मूल्यों एवं सांस्कृतिक धरोहरों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने का माहौल एवं मंशा देखने को मिल रही है, जो नये वर्ष के लिये शुभ है, नये एवं समृद्ध भारत के अभ्युदय का द्योतक है।

बीते साल ने दु:ख एवं निराशा के दृश्य भी दिये हैं। हिमाचल प्रदेश की बाढ़, सिलक्यारा सुरंग, बालेश्वर (बालासोर) ट्रेन-दुर्घटना, मणिपुर की हिंसा और उसके दौरान वायरल हुए शर्मनाक वीडियो से जुड़ी निराशाओं को भी भुलाना नहीं चाहिए। गत 13 दिसंबर को संसद भवन हमले की सालगिरह पर शीतकालीन सत्र के दौरान कुछ लोग अंदर कूद गए और उन्होंने एक कैन से पीले रंग का धुआं छोड़ा। उत्तर प्रदेश में गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की सरेआम गोली मारकर हत्या की खबर ने इस साल काफी सुर्खियां बटोरी। अप्रैल के महीने में खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल को एक महीने तक लगातार पीछा करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया था।

बीता वर्ष का हर दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई एवं जुझारू व्यक्तित्व एवं नीतियों के नाम रहा। उन्ही के कारण विश्व में भारत के लिये एक नया नजरिया विकसित हुआ। उनके नाम पर लड़े गये विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हुई। तीनों राज्यों में भाजपा की सफलता के पीछे अनेक कारण हैं। मजबूत नेतृत्व, संगठन-क्षमता, संसाधन, सांस्कृतिक आधार और कल्याणकारी योजनाएं वगैरह-वगैरह। 'जो आज तक नहीं हुआ वह आगे कभी नहीं होगा' इस बूढ़े तर्क से बचकर भारत में नया प्रण जगायें। बिना किसी को मिटाये निर्माण की नई रेखाएं खींचें। यही साहसी सफर शक्ति, समय और श्रम को नये वर्ष में सार्थकता देगा।

- ललित गर्ग

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि यह पवित्र कथा भगवान के परम पद को देने वाली है। इसके सुनने से अविचल भक्ति प्राप्त होती है। हे उमा! मैंने वह सब सुंदर कथा कही जो काकभुशुण्डिजी ने गरुड़जी को सुनाई थी॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

कछुक राम गुन कहेउँ बखानी। अब का कहौं सो कहहु भवानी॥
सुनि सुभ कथा उमा हरषानी। बोली अति बिनीत मृदु बानी॥

मैंने श्री रामजी के कुछ थोड़े से गुण बखान कर कहे हैं। हे भवानी! सो कहो, अब और क्या कहूँ? श्री रामजी की मंगलमयी कथा सुनकर पार्वतीजी हर्षित हुईं और अत्यंत विनम्र तथा कोमल वाणी बोलीं-॥

धन्य धन्य मैं धन्य पुरारी। सुनेउँ राम गुन भव भय हारी॥

हे त्रिपुरारि। मैं धन्य हूँ, धन्य-धन्य हूँ जो मैंने जन्म-मृत्यु के भय को हरण करने वाले श्री रामजी के गुण (चरित्र) सुने॥

दो0- तुम्हरी कृपाँ कृपायतन अब कृतकृत्य न मोह।
जानेउँ राम प्रताप प्रभु चिदानंद संदोह॥

हे कृपाधाम। अब आपकी कृपा से मैं कृतकृत्य हो गई। अब मुझे मोह नहीं रह गया। हे प्रभु! मैं सच्चिदानंदघन प्रभु श्री रामजी के प्रताप को जान गई॥

नाथ तवानन ससि स्त्रवत कथा सुधा रघुबीर।
श्रवन पुटन्हि मन पान करि नहिं अघात मतिधीर॥

हे नाथ! आपका मुख रूपी चंद्रमा श्री रघुवीर की कथा रूपी अमृत बरसाता है। हे मतिधीर मेरा मन कर्णपुटों से उसे पीकर तृप्त नहीं होता॥

राम चरित जे सुनत अघाहीं। रस बिसेष जाना तिन्ह नाहीं॥
जीवनमुक्त महामुनि जेऊ। हरि गुन सुनहिं निरंतर तेऊ॥

श्री रामजी के चरित्र सुनते-सुनते जो तृप्त हो जाते हैं (बस कर देते हैं), उन्होंने तो उसका विशेष रस जाना ही नहीं। जो जीवन्मुक्त महामुनि हैं, वे भी भगवान के गुण निरंतर सुनते रहते हैं॥

क्रमशः

नए वर्ष में बेहतर होगी आर्थिकी

इन दिनों वैश्विक आर्थिक और वित्तीय संगठनों के द्वारा बीते वर्ष 2023 की आर्थिक चुनौतियों और नए वर्ष 2024 की आर्थिक संभावनाओं पर प्रकाशित की जा रही विभिन्न रिपोर्टों में नए वर्ष में भारत के आर्थिक विकास की ऊंची संभावनाएं प्रस्तुत की जा रही हैं। यदि हम नए वर्ष 2024 की डगर पर आगे बढ़ते भारत की आर्थिक तस्वीर को देखें तो पाते हैं कि भारत को 2023 से प्रमुखतया महंगाई, रोजगार, रुपए की कीमत, विदेशी मुद्रा भंडार, देश पर विदेशी कर्ज, व्यापार घाटा, चिंताजनक मानव विकास सूचकांक जैसी आर्थिक चुनौतियां विरासत में मिली हैं। बीते वर्ष 2023 में भारत मानव विकास सूचकांक में पीछे दिखाई दिया है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के द्वारा प्रकाशित मानव विकास सूचकांक में 189 देशों की सूची में भारत 132वें पायदान पर पाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक जीवन प्रत्याशा, स्वास्थ्य व शिक्षा की बड़ी चुनौतियां भारत के समक्ष बनी हुई हैं। दुनिया में प्रति व्यक्ति आय के मामले में भी भारत की स्थिति 129वें क्रम पर परिलक्षित हुई है। बीते वर्ष में महंगाई के मोर्चे पर मुश्किलें लगभग वर्ष भर बनी रहीं। इजराइल-हमास युद्ध, रूस-यूक्रेन युद्ध, तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक के द्वारा तेल उत्पादन में कटौती, वैश्विक खाद्यान्न उत्पादन में कमी ने भी महंगाई बढ़ाई और महंगाई ने आम आदमी से लेकर सरकार के लिए भी चिंताएं निर्मित की।

खास तौर से नवंबर 2023 के बाद एक बार फिर थोक एवं खुदरा महंगाई बढ़ने लगी। खाद्य महंगाई की दर बढ़कर 8.7 फीसदी से अधिक पहुंच गई। यदि हम देश में 2023 के रोजगार परिदृश्य को देखें तो पाते हैं कि रोजगार की स्थिति संसद की बहस से लेकर युवाओं की चिंता का कारण बनी रही। वर्ष 2023 में वैश्विक सुस्ती के कारण जो उद्योग-कारोबार प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए, वहां रोजगार के कम मौके निर्मित हुए। लेकिन गिग अर्थव्यवस्था और असंगठित सेक्टर में मौके बढ़ने से बेरोजगारी दर जो 2017-18 में छह फीसदी थी, वह 2022-23 में घटकर 3.2 फीसदी रही। जहां वर्ष 2023 में आईटी बाजार की रोजगार तस्वीर बदल गई और बड़ी संख्या में कर्मचारियों को नौकरी छोड़नी पड़ी तथा नई नियुक्ति का अनुपात भी घट गया, वहीं विमानन और फार्मा जैसे सेक्टरों में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ी। यद्यपि भारत ने वर्ष 2023 में वैश्विक मंदी की चुनौतियों के बीच निर्यात बढ़ाने व आयात घटाने के अधिकतम प्रयास किए, लेकिन फिर भी बीते वर्ष में निर्यात तेजी से नहीं बढ़ पाए तथा विदेशी मुद्रा की अन्य साधनों से कमाई भी कम रही, इससे व्यापार घाटा बढ़ा। बीते वर्ष में रुपया वर्षभर लुढ़कता रहा, वर्ष 2023 में अमरीका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा मौद्रिक नीति को सख्त बनाए जाने से डॉलर के मुकाबले रुपया निचले स्तर पर लुढ़ककर 84 के स्तर पर पहुंच गया। वर्ष 2023 के शुरुआती महीनों में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट आई। इस गिरावट का कारण निर्यात में कमी, आयात में वृद्धि व डॉलर की तुलना में रुपए को थामने के लिए रिजर्व बैंक के द्वारा आवश्यकता के अनुरूप विदेशी मुद्रा कोष में संचित डॉलर की बिक्री किया जाना भी रहा। निश्चित रूप से इन विभिन्न आर्थिक चुनौतियों के बीच भी वर्ष 2023 में भारतीय अर्थव्यवस्था ने कई मोर्चों पर बेहतर प्रस्तुतिकरण दिखाया है और भारत की कई आर्थिक उपलब्धियां दुनियाभर में रेखांकित हुई। कारोबारी और वित्तीय परिदृश्य व्यापक तौर पर विस्तार को लेकर आशावादी रहा और विकासमूलक संकेत देते हुए मजबूत बैलेंस शीट प्रस्तुत करता रहा।

विनिर्माण, खनन, निर्माण तथा औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि हुई है। खास तौर से मैन्युफैक्चरिंग, कृषि, कंस्ट्रक्शन, सीमेंट, इलेक्ट्रिसिटी, होटल, ट्रांसपोर्ट, ऑटोमोबाइल, फार्मा, केमिकल, फूड प्रोसेसिंग और टेक्सटाइल, ई-कॉमर्स, बैंकिंग, मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, सायबर सिक्योरिटी, आईटी, टूरिज्म, रिटेल ट्रेड आदि क्षेत्रों में रोजगार और स्वरोजगार के मौके बढ़ते हुए दिखाई दिए। मुद्रास्फीति मौद्रिक प्रयासों से नियंत्रण में रही। कर राजस्व में सुधार हुआ। सेंसेक्स और निफ्टी नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए। बीते वर्ष में भारत दुनिया में सर्वाधिक डिजिटल पेमेंट ट्रांजेक्शन वाले देश के रूप में रेखांकित हुआ है। यह भी महत्वपूर्ण है कि वर्ष 2023 में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 2000 रुपए के नोट को चलन से बाहर करने के बाद बैंक जमा में भारी वृद्धि हुई। रिजर्व बैंक ने इन्हें बदलने के लिए 7 अक्टूबर का समय दिया था। दिसंबर 2023 तक 97 फीसदी से अधिक नोट बैंकों में वापस आ गए। 8 साल पहले भी हुई 500-1000 रुपए की नोटबंदी से 99 फीसदी नोट वापस आ गए थे। 2000 रुपए के नोटों की वापसी के बीच बैंक जमा छह साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचते हुए 191 लाख करोड़ रुपए से अधिक पर पहुंच गया। यह बात भी भारत के आर्थिक घटनाक्रम पर रेखांकित हो रही है कि वर्ष 2023 में भारत राजकोषीय घाटा नियंत्रण में सफल रहा है। वर्ष 2023 में केंद्र सरकार राजकोषीय घाटे के निर्धारित लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.9 फीसदी तक सीमित रखने में सफल रही है। वर्ष 2023 में लगभग प्रतिमाह बाजारों में उपभोक्ता मांग में तेजी और उद्योग-कारोबार में बेहतरी से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कलेक्शन में वृद्धि हुई। वर्षभर में यह 12 प्रतिशत बढ़ा। अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष कर संग्रह बजट अनुमान से अधिक 10.45 फीसदी बढ़कर 33.61 लाख करोड़ रुपए पहुंच जाएगा। कारपोरेट एवं व्यक्तिगत आयकर 10.5 फीसदी बढ़कर करीब 18.23 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच जाएगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के मद्देनजर वर्ष 2023 में एक नई योजना भी लॉन्च की है, जिसका नाम हर पेमेंट डिजिटल रखा गया है।

साथ ही बैंक और एनबीएफसी डिजिटल पेमेंट को प्रोत्साहित करने की डगर पर आगे बढ़े हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि नए वर्ष 2024 को भारत के द्वारा की गई जी-20 की सफल अध्यक्षता से नए आर्थिक लाभों की ऐसी अभूतपूर्व संभावनाएं मिली हैं, जिससे भारत से निर्यात, भारत में विदेशी निवेश, भारत में विदेशी पर्यटन और भारत के डिजिटल विकास का नया क्षितिज सामने आते हुए दिखाई देगा। जी-20 से दुनिया में ग्लोबल सप्लाई चेन में सुदृढ़ता और विश्वसनीयता के मद्देनजर भारत की अहमियत बढ़ेगी। जहां प्राकृतिक संपदा संपन्न अफ्रीकी संघ को जी-20 में शामिल कराकर भारत ने इन देशों से नए आर्थिक लाभों की उम्मीदों को बढ़ाया है, वहीं जी-20 में घोषित हुआ भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कारिडोर (आईएमईसी) चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की काट है तथा इसके माध्यम से दुनिया में रेल एवं जल मार्ग से भारतीय कंपनियों के लिए नए अवसरों की भारी संभावनाओं को आगे बढ़ाया जा सकेगा। दिसंबर 2023 में सेंसेक्स 72000 अंकों से अधिक के सर्वकालिक उच्च स्तर को छूते हुए दिखाई दिया है। हम उम्मीद करें कि वर्ष 2024 की आर्थिकी को 2023 से बेहतर बनाने और देश की विकास दर के लक्ष्य को 6.5 फीसदी से आगे पहुंचाने के साथ-साथ 2047 में विकसित देश बनाने के लक्ष्य को पाने के लिए देश में नए वर्ष 2024 में महंगाई नियंत्रित रखने, सरकारी कर्ज को बढ़ने से रोकने, निर्यात बढ़ाने, व्यापार घाटा कम करने, उत्पादन व उत्पादकता बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास के साथ-साथ राष्ट्रीय चरित्र के नवनिर्माण के लिए नई पहल की जाएगी।

-डा. जयंती लाल भंडारी
विख्यात अर्थशास्त्री

राशिफल

पौष कृष्ण-षष्ठी | (विक्रम संवत् 2080)

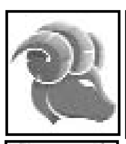
मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा समय रहेगा। प्रेम में थोड़ा तू-तू, मैं-मैं हो सकता है क्योंकि भावुक बने रहेंगे।

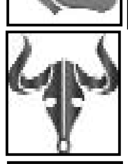
वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भूमि और वाहन की खरीदारी संभव है, लेकिन गृह-कला भी संभव है। प्रेम की स्थिति अभी थोड़ी-सी बहुत अच्छा नहीं लग रहा है।

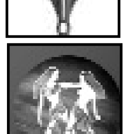
मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यावसायिक स्थिति बहुत अच्छी है। प्रेम और संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम चल रहा है।

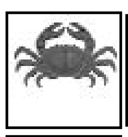
कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
बच्चों के सेहत को लेकर मन परेशान रहेगा। प्रेमी-प्रेमिका की स्थिति थोड़ी-सी मध्यम या झगड़ालू दिख रही है।

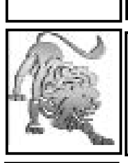
सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
बहुत अच्छे ऊर्जावान महसूस कर रहे हैं। प्रेम-संतान की स्थिति सुधर चुकी है। व्यापार बहुत अच्छा है।

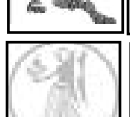
कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
मन चिंतित रहेगा। सिर दर्द, नेत्र पीड़ा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम है। प्रेम-संतान अच्छा है और व्यापार भी अच्छा है।

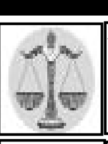
तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। यात्रा में लाभ होगा। मन प्रफुल्लित रहेगा। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार बहुत अच्छा है।

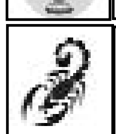
वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
व्यावसायिक स्थिति सुदृढ़ होगी। नए व्यापार के संकेत हैं। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगा।

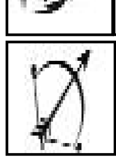
धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
स्वास्थ्य में सुधार हो चुका है। प्रेम-संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। भाग्य साथ दे रहा है।

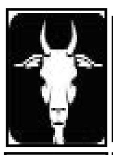
मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
चोट-चपेट लग सकता है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान अच्छा और व्यापार भी अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति सुदृढ़ होगी। प्रेमी-प्रेमिका की स्थिति थोड़ी मध्यम दिख रही है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
शत्रु नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे, लेकिन जीत अंत में आपकी होगी, लेकिन डिस्टर्बेंस बना रहेगा।

भगोकरा पहुंची संकल्प यात्रा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। विकसित भारत संकल्प यात्रा कल जेवर विधानसभा के गांव भगोकरा एवं मंगरौली पहुंची दोनों जगह के मुख्य अतिथि के रूप में जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह रहे। विधायक धीरेंद्र सिंह ने लोगो को विकसित भारत बनाने के लिये शपथ दिलायी।

इस अवसर पर ईश्वर सरपंच के द्वारा ग़रीब लोगों को कंबल वितरित किये।

अभियान के जिला संयोजक रवि जिंदल, राहुल पंडित, जिला उपाध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष अशोक शर्मा, विकास करौली, रोहित ठाकुर, सुशील शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

तानाशाही के खिलाफ 8 को तुगलपुर में होगी महापंचायत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान एकता संघ संगठन ने किसानों के साथ किये जा रहे उत्पीड़न के विरोध में जनजागरूकता अभियान की पंचायत अस्तौली व जुनेदपुर गाँव में अध्यक्षता जयपाल सिंह ने और संचालन राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनीष नागर ने किया।

इस दौरान प्रदेश महासचिव सतीश कनारसी ने बताया कि एनपीसीएल द्वारा ग्रामीणों पर फर्जी बिजली चोरी के मुकदमे दर्ज किए जा रहे है किसानों पर अनर्गल दबाव बनाकर प्रताड़ित किया जा रहा है। सरकार द्वारा किसानों को सिंचाई के लिए बिजली फ्री का वादा किया था लेकिन एनपीसीएल द्वारा किसानों की टुवेलो पर मीटर लगा रखे है। ग्रामीण क्षेत्र में जिन किसानों के फिक्स पुराने कनेक्शन है उनके घरों पर जबरजस्ती पुलिस के बल पर मीटर लगाए जा रहे है, किसानों द्वारा पैसे जमा करने के बावजूद भी बिजली बिलों से खत्म नही किये जा रहे है। किसानों से नए कनेक्शन के नाम पर अवैध रूप से पैसे लिए जा रहे है,ग्रामीण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति सही नही की जा रही है, इन सभी समस्याओं को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। क्षेत्रिय किसानों के अधिकारों का हनन नही होने दिया जाएगा।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष पप्पे नागर ने बताया कि किसानों की उपरोक्त सभी समस्याओं को लेकर 8 जनवरी को किसान,ग्रामीण भारी तादात में एनपीसीएल के तुगलपुर स्तिथ ऑफिस को घेरने का काम करेंगे,जब तक किसानों, ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान नही किया जाएगा आन्दोलन जारी रहेगा।

इस मौके पर सोरन प्रधान, मनीष नागर, विक्रम नागर, उम्मेद एडवोकेट, कुलदीप भाटी, देवेन्द्र भाटी, अरुण खटाना, सल्लन खान, मोहित नागर, यशपाल, कृष्ण, दुर्गेश शर्मा, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गौसेवा कर रोटरी क्लब ने किया नववर्ष का आगाज़

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रोटरी क्लब ग्रीन ग्रेटर नोएडा द्वारा गतवर्षो की भाँति इस वर्ष भी नये साल का स्वागत गौसेवा से किया गया।

क्लब के पूर्व अध्यक्ष सौरभ बंसल ने बताया कि क्लब के सदस्यों के सहयोग से श्री कृष्ण सुदामा गौशाला सेक्टर 146, नोएडा में रह रही 1200 से अधिक गौमाताओं के लिए 100 क्विंटल भूसा, 1 ट्रॉली हरा चारा, 1500 किलो गुड़, 50 बैग चोखर, 50 बैग सरसों की खल, छिलका 60 बैग व वहाँ सेवा कर रहे 80 सेवादारों के लिए गर्म कपड़े, जुते व कंबल भेंट किये।

क्लब के अध्यक्ष अतुल जैन ने बताया कि गौशाला के संचालक महंत राममंगल दास जी दिन रात गौमाताओं की सेवा में लगे रहते है। उनके कार्य से क्लब के लोग बेहद प्रभावित है तथा समय समय पर गौशाला पहुँचकर यथासंभव सहयोग करते है। नये वर्ष के पहले दिन क्लब सदस्यो ने परिवार सहित गौशाला में गौमाताओं को गुड़ व चोखर व दलिया आदि खिला कर सुख की अनुभूति की।

इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष अतुल जैन, के के शर्मा, मनोज गर्ग, सौरभ बंसल, विनोद कसाना, बृजमोहन गोयल, अमित गोयल, ऋषि अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, अनिल गुप्ता, शिवकुमार गुप्ता, सी पी गुप्ता, संजय गर्ग, विजय शर्मा,राहुल शर्मा, रणजीत सिंह, मूलचन्द शर्मा, अंकुर गर्ग, नवीन जिन्दल, अतुल जिन्दल, शौर्य गर्ग, कीर्त गर्ग, धैर्य बंसल, प्रंजय अग्रवाल उपस्थित रहे।

दीदी की रसोई ने जरूरतमंदों को कराया नि:शुल्क भोजन

नोएडा (चेतना मंच)। दीदी की रसोई ट्रस्ट ने ट्रस्ट की अध्यक्ष रितु सिन्हा व कोषाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा के नेतृत्व में मजदूर बस्ती शिव नगरी सेक्टर- 17 पर जरूरतमंद लोगों के लिए भंडारा कर भोजन का वितरण किया। भंडारे में सैकड़ो जरूरतमंद लोगों ने भोजन ग्रहण किया। तथा शिव नगरी सेक्टर- 17 में ही गरीब बच्चों के लिए पढ़ने के लिए एक स्कूल का उद्घाटन भी किया जिसमें बच्चों को निशुल्क शिक्षा दी जाएगी। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने दीदी की रसोई ट्रस्ट की अध्यक्ष रितु सिन्हा ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता गंगेश्वर दत्त शर्मा, रेखा चौहान, गुड़िया देवी, सविता देवी ,कौशल आदि को शोल उठाकर सम्मानित किया।

पृष्ठ एक के शेष....

दूसरे दिन भी हड़ताल...

का कहना है के सप्लाई न होने के कारण सब्जियों के दर में 20 से 25 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसके अलावा छत्रपति संभाजी नगर के गांधी इलाके में ट्रक ड्राइवरों ने सड़क जाम कर दी। जिसकी वजह से दोनों तरफ वाहनों की बड़ी कतारें लग गईं। ठाणे में आज सुबह से पेट्रोल पंप पर पेट्रोल की कमी बताई जा रही है। तीन पेट्रोल पंपों पर ईंधन भराने के लिए वाहन चालकों की भीड़ देखी गई।

वाहनों की हड़ताल के कारण और कल रात से ईंधन नहीं आने के कारण अब कई पेट्रोल पंपों पर डीजल और सीएनजी पंपों पर लाइनें देखने को मिल रही हैं। पेट्रोल पंप के बाहर डीजल है पेट्रोल नहीं का नोटिस लगा दिया गया।

महाराष्ट्र के ठाणे, मुंबई, नवी मुंबई, छत्रपति सांभाजी नगर के अलावा मध्य प्रदेश के इंदौर, देवास और पन्ना में भी इसी तरह के हालात देखने को मिले। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में भी ट्रक ड्राइवर्स चक्का जाम करते हुए जिला कलेक्ट्रेट पहुंचते हुए नजर आए। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, ग्रेटर नोएडा के साथ-साथ अन्य शहरों में भी इस हड़ताल का असर देखने को मिला।

बता दें कि नए कानून के तहत टक्कर मारकर भागने और दुर्घटना की सूचना न देने पर चालकों को 10 साल तक की जेल की सजा और जुर्माने का प्रविधान किया गया है। पहले आईपीसी की धारा 304ए (लापरवाही से मौत) के तहत आरोपित को केवल दो साल तक की जेल हो सकती थी।

स्क्रैप माफिया रवि...

निवासी सी-93 ओमीक्रोन 1 कासना, विशाल पुत्र वीरेंद्र निवासी कासना, अवध उर्फ बिहारी उर्फ अमर सिंह निवासी पुत्र राजकुमार निवासी दादूपुर, महकी नागर उर्फ महकार पुत्र जगमाल नागर निवासी दादुपुर, अनिल पुत्र मनसा राम निवासी दादूपुर, विक्की पुत्र नानक चंद निवासी सलारपुर जारचा, अफसार पुत्र मकसूद निवासी लोहला अगौता, बुलंदशहर, राशिद अली पुत्र शकील निवासी कपूरपुर, धौलाना हापुड़, आजाद नागर पुत्र धर्मवीर निवासी दादूपुर, प्रहलाद पुत्र अंतराम बड़ा गांव कमतरी, आगरा, विकास नागर पुत्र सतपाल नागर निवासी दादूपुर, कुमारी काजल झा पुत्री सुनील कुमार निवासी न्यू फ्रेंडस कालोनी नई दिल्ली के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है उन्होंने बताया कि रवि नागर ने एक संगठित गिरोह बना रखा है। यह गिरोह अपने भौतिक एवं आर्थिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए पिछले काफी समय से जनपद में सरिया व स्क्रैप के अवैध व्यवसाय में सक्रिय है। गिरोह के सदस्य विभिन्न निर्माणाधीन साइटों पर आने वाले सरियों से भरे ट्रकों को रास्ते में रोक लेते हैं इसके बाद इस गिरोह के सदस्य ट्रक चालक को डरा धमकाकर सरिया उतरवा लेते हैं। सरिया उतरवाने के बाद रवि नागर व उसके गुर्गे साइट के मैनेजर को डरा धमका कर स्टॉक बुक में पूरा वजन अंकित करवा देते हैं। दबंगई से उतारे गए सरिए को बाजार भाव से व्यापारियों को बेचकर गिरोह द्वारा अनुचित लाभ उठाया जा रहा है।

सरिया व स्क्रैप के....

टूल प्राइवेट लिमिटेड ने महज 3 वर्षों में 97 प्रतिशत की दर से अवैध तरीके से वृद्धि की है। उत्तर प्रदेश एसटीएफ से प्राप्त इनपुट के आधार पर गैंग लीडर रवि नागर अवैध सरिया व स्क्रैप का कारोबार कुख्यात अनिल दुजाना गिरोह के लिए कर रहा था। अनिल दुजाना की मुठभेड़ में मौत के बाद अब स्क्रैप के काले कारोबार की पूरी कमान रवि के हाथ में है।

स्क्रैप कारोबार के विवाद...

का मुकदमा दर्ज कराया था। हरेन्द्र प्रधान हत्याकांड के बाद परिवार को सरकारी सुरक्षा भी दी गई थी। हरेन्द्र प्रधान की हत्या के बाद उसकी पत्नी ने सपा के टिकट से विधानसभा का चुनाव भी लड़ा था लेकिन उसे हार का मुंह देखना पड़ा था। प्रदेश में राजनैतिक परिदृश्य बदलने पर हरेन्द्र नागर के परिवार ने भाजपा का दामन थाम लिया था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक गैंगस्टर रवि नागर के खिलाफ करीब 5 साल पहले पुलिस ने रंगदारी और सरिया चोरी का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा था। पिछले साल भी रवि नागर और राजकुमार के खिलाफ थाना ईकोटेक-3 और कासना थाने में रंगदारी मांगने का केस दर्ज हुआ था। हालांकि इन दोनों मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई थी। हाल में अब रवि नागर व उसके साथियों के खिलाफ थाना सेक्टर-39 में एक युवती के साथ बलात्कार के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा की जा रही ताबड़तोड़ कार्रवाई से स्क्रैप माफिया व उसके गुर्गों में हड़कंप मचा हुआ है।

चार शराब तस्कर...

48 अद्धे देसी शराब के बरामद हुए।

थाना कासना पुलिस ने घरबार रोड पर स्थित जिम्स अस्पताल के पास शराब बेच रहे मूलचंद पुत्र रमेश को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से 42 पाउच कैटरीना देसी शराब के बरामद हुए। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

प्राधिकरण ने घरों...

बुलडोजर की मदद से आवासीय एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के बाहर अवैध रूप से बनाए गए रैंप को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान कुछ लोगों ने विरोध करने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस बल के सामने उनकी एक नहीं चली।

सीनियर मैनेजर नागेंद्र सिंह ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा पूर्व में लोगों को नोटिस जारी किए गए थे। नोटिस में साफ हिदायत दी गई थी कि आवंटी अवैध रूप से बनाए गए रैंप स्वयं तोड़ लें अन्यथा उन्हें प्राधिकरण के अतिक्रमण हटाओ दस्ते द्वारा ध्वस्त कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आवंटियों द्वारा रैंप ना तोड़े जाने पर प्राधिकरण द्वारा धवस्तीकरण की कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

इस मौके पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मैनेजर सुरेंद्र भाटी, जेई हरेंद्र सहित अन्य प्राधिकरण कर्मी मौजूद थे।

पांचवें दिन भी...

जिला महासचिव राकेश अवाना, जिला प्रवक्ता राहुल सेठ,पंडित उमेश गौतम,एडवोकेट प्रशांत रावत, नितिन प्रजापति,प्रमोद सिंह तथा अभय त्रिपाठी व तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ता अस्पताल जाकर भूपेंद्र जादौन के परिवार से मिले व जल्द ठीक होने की कामना की।

प्राधिकरण में तालाबंदी...

प्रदर्शन के बाद भी किसानों को सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है। अभी तक एक भी मांग पूरी नहीं की गई। मांग पूरी न होने तक किसान अब यहां से हटेंगे नहीं।

मालूम हो कि किसान 21 दिनों से अपनी मांगों को लेकर यहां रात-दिन धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन प्राधिकरण अफसरों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रहा है।

कार में टक्कर मारकर..

पुलिस में शिकायत करने से गुस्साए सचिन ने अपने साथी प्रिंस, सिद्धू उर्फ सिद्धार्थ तथा एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर भागेंद्र के बेटे विक्की की कार को हनुमान मंदिर के पास ओवरटेक का रुकवा लिया। चारों आरोपियों ने विक्की के साथ मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने विक्की पर दिनदहाड़े फायरिंग करनी शुरू कर दी। किसी तरह विक्की ने भागकर अपनी जान बचाई।

थाना प्रभारी ने बताया कि भागेंद्र की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इस मामले में प्रिंस, सचिन, सिद्धू उर्फ सिद्धार्थ को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजीत चली आ रही है इसी रंजिश की वजह से आरोपियों ने इस घटना को अंजाम दिया था।

सच्चिनानद मिश्रा बने मानवाधिकार सुरक्षा संघ के प्रदेश प्रभारी

नोएडा (चेतना मंच)। मानवाधिकार सुरक्षा संघ के राष्ट्रीय महामंत्री विजय तोमर एवं अन्य पदाधिकारियों की नोएडा कार्यालय में सभी की सहमति से सच्चिनानद मिश्रा को उनके समाज के प्रति भावना और कार्यों को देखते हुए 'मानवाधिकार सुरक्षा संघ' उत्तर प्रदेश के प्रभारी के रूप में पदभार एवं शपथ दिलाई गई।

मानवाधिकार सुरक्षा संघ के राष्ट्रीय महामंत्री विजय तोमर ने बताया की सभा में उपस्तिथ संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर राज योगी आचार्य आनंद गिरि महाराज, संगठन महामंत्री मंगू सिंह त्यागी, पृथ्वीराज सिंह, राष्ट्रीय संरक्षक अजय कटारा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा राजा उमेश राज शेखावत की सहमति से यह पदभार और जिम्मेदारी सच्चिदानंद मिश्रा को दी गई है। हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं और वह समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए कार्य शासन और प्रशासन के साथ मिलकर करेंगे।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के कंबल तथा भोजन वितरण कार्यक्रम में बतौर विशेष अतिथि संबोधित करते समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा नोएडा महानगर के पूर्व जिलाध्यक्ष दीपक विग।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

अक्षत-हल्दी से घर-घर प्राण प्रतिष्ठा के लिए निमंत्रण भेजना शुरू, 22 जनवरी को मनेगा रामोत्सव

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या में श्रीरामजन्म स्थान पर बन रहे भव्य एवं दिव्य मंदिर में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला विराजमान हो जाएंगे। उस दिन पूरे देश में उत्सव होगा। घर घर ज्योति जलाकर दिवाली बनाने का आह्वान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर चुके हैं। देशभर में पांच लाख से अधिक मंदिरों में उत्सव की तैयारी में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पहले से जुटा है। देश के सनातनियों से इन्हीं पांच लाख मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा पर उत्सव मनाने का उत्सव का आग्रह किया जा रहा है।

इन मंदिरों में उत्सव के लिए अयोध्या में पूजित अक्षत व हल्दी देश भर के स्वयं सेवकों को पांच नवंबर को वितरित किए जा चुके हैं। रामलला के दरबार में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने विधिवत पूजा अर्चना कर देशभर के 45 प्रांतों के स्वयं सेवकों को दिए गए। प्रांतों के पदाधिकारियों ने इसे महानगर मनाने के लिए घर घर निमंत्रण देने का क्रम सोमवार से शुरू हो गया है। महानगर से नगर इकाइयों से होते हुए अलग अलग मोहल्लों के लिए टोलियां बनाकर वितरण सोमवार की सुबह से ही शुरू हो गया। संघ कार्यकर्ता हल्दी व अक्षत लेकर अपने स्थानीय मंदिरों में उत्सव के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

पूजित अक्षत कलश शोभायात्रा का स्वागत

आरएसएस के संगठनात्मक स्तर पर गठित सावरकरनगर में पूजित अक्षत कलश को मोहल्लों तक पहुंचाने के लिए रविवार को शोभायात्रा निकाली गई। इसकी शुरुआत उत्तर पूर्व क्षेत्र प्रचारक राजेन्द्र, महानगर कार्यवाह देवेन्द्र ने किया।

मंदिरों में भी भजन-कीर्तन का हो रहा आह्वान

संघ पूरी तरह से कमर कस चुका है। प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियों को कई बड़े पदाधिकारियों ने कई दौर की बैठकें कर अंतिम रूप दिया है। बाइस को मंदिरों में भजन कीर्तन, सुंदर कांड, हनुमान चालीसा, श्रीरामरक्षा स्त्रोत का आह्वान किया जा रहा है।

अयोध्या मंदिर के मुख्य पुजारी ने कहा- सिर्फ राम भक्तों को बुलाया है

अयोध्या, एजेंसी। शिवसेनाके प्रमुख उद्धव ठाकरे के बयान पर अयोध्या राम मंदिर के मुख्य पुजारी ने नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि समारोह के न्योते सिर्फ राम भक्तों को ही भेजे गए हैं। इसके अलावा उन्होंने राज्यसभा सांसद संजय राउत पर भी निशाना साधा है और राम भगवान के अपमान के आरोप लगाए हैं। ठाकरे का कहना था कि उन्होंने राम मंदिर उद्घाटन समारोह का न्योता नहीं मिला है। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में आचर्य सत्येंद्र दास ने कहा, न्योते केवल उन्हें ही भेजे गए हैं, जो भगवान राम के भक्त हैं। यह कहना पूरी तरह से गलत है कि भारतीय जनता पार्टी भगवान राम के नाम पर लड़ रही है। हमारे प्रधानमंत्री को हर जगह सम्मान मिल रहा है। उन्होंने अपने कार्यकाल में काफी काम किया है। यह राजनीति नहीं है। यह उनका समर्पण है। इस दौरान उन्होंने राउत के बयान पर भी सवाल उठाए। आचार्य ने कहा, संजय राउत इतने दर्द में हैं कि वह जाहिर भी नहीं कर सकते। वे ही थे, जो भगवान राम के नाम पर चुनाव लड़ते थे। जो लोग भगवान राम में विश्वास करते हैं, सत्ता में हैं, वे कैसी बकवास कर रहे हैं वह भगवान राम का अपमान कर रहे हैं।

'लप्पू' से सचिन के बच्चे की माँ बनने वाली हैं सीमा हैंदर, खुद ही दी खुशखबरी

ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा में रहने वाले जिस सचिन मीणा को 'लप्पू सा सचिन' कहा जाता था उसी के बच्चे की माँ बनने वाली हैं सीमा हैंदर। यह बात सीमा हैदर ने एक निजी टीवी चैनल को दिए गए इंटरव्यू में बताई है। सीमा हैदर के ससुर (सचिन के पिता) ने भी इस खुशखबरी की पुष्टि कर दी है। दोनों का कहना है कि सीमा हैदर प्रेगनेट हैं। वह जल्द ही सचिन मीणा के बच्चे की माँ बनेगी।

खुद बताई सच्चाई

आपको बता दें कि वर्ष-2023 में सीमा हैदर व सचिन मीणा की 'लव स्टोरी' ने सोशल मीडिया पर धमाल मचाए रखा। इसी दौरान 'लप्पू सा सचिन' वाली टिप्पणी भी खूब चर्चा का विषय बनी। अब 2024 शुरू होते ही सचिन व सीमा हैदर के घर से खुशखबरी आई है। सीमा हैदर ने एक टीवी चैनल को दिए गए इंटरव्यू में खुद ही यह खुशखबरी दी है। उसने बताया कि वह प्रेगनेट है तथा सचिन के बच्चे की माँ बनने वाली है। इस दौरान सचिन के पिता यानि कि सीमा हैदर के ससुर ने भी कंफर्म किया है कि उनकी बहु पेट से है। वह जल्दी ही सचिन के बच्चे की माँ बनेगी। सचिन के पिता ने यह भी कहा कि वह गर्भवती महिला का हाथ देखकर बता देते हैं कि उस महिला को लड़का पैदा होगाा अथवा लड़की। सचिन के पिता ने बताया कि उन्होंने अपनी बहु सीमा का हाथ देख लिया है। उसे लड़का ही पैदा होगा।

चार बच्चे हैं सीमा के

आपको बता दें कि पाकिस्तान से नेपाल के रास्ते भारत आई सीमा हैदर के पहले से चार बच्चे हैं। सीमा हैदर का पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर अपने चारों बच्चों व सीमा हैदर को वापस पाकिस्तान ले जाने के सारे हथकंडे अपना रहा है। सीमा हैदर पहले ही कह चुकी है कि उसे मरना तो मंजूर है किन्तु वह अब वापस पाकिस्तान नहीं जाएगी। सीमा हैदर ने बताया था कि फोन पर पबजी गेम खेलते समय उसे सचिन मीणा से प्यार हो गया था। उसी प्यार के बल-बूते पर वह अपने चार बच्चों को लेकर पाकिस्तान से भारतर भाग आई थी। इन दिनों सीमा हैदर उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा शहर के पास रबूपुरा कस्बे में सचिन मीणा के घर में उसके परिवार के साथ रह रही है। सीमा हैदर ने सचिन मीणा के साथ विवाह करने के लिए हिन्दु धर्म अपनाया है और हिन्दु रीति-रिवाज से सीमा हैदर व सचिन का विवाह भी हुआ है।

नए साल के जश्न में सराबोर हुआ श्रीनगर का लाल चौक

श्रीनगर, एजेंसी। श्रीनगर का लाल चौक जो कभी कश्मीर विरोधी आंदोलनों और पत्थरबाजों की जद में था, वहां अब नए साल का जश्न मनाया गया है। इतिहास में संभवतः यह पहली बार होगा जब लाल चौक पर नए साल का जश्न मनाया गया हो। नए साल की जश्न के दौरान लाल चौक के ऐतिहासिक क्लॉक टावर यानी घंटाघर पर लोगों को बॉलीवुड गानों की धुन पर गाते और नाचते देखा गया। नए साल के जश्न में हिस्सा लेने के लिए सैकड़ों लोगों की घंटाघर पर आमद हुई। स्थानीय लोगों के साथ-साथ कश्मीर घाटी में आने वाले पर्यटकों ने भी जश्न में भाग लिया। वे श्रीनगर के प्रसिद्ध घंटाघर में समारोह को लेकर बेहद उत्साहित थे। श्रीनगर शहर के विभिन्न हिस्सों से स्थानीय लोग नए साल के जश्न में शामिल हुए और इसका हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित दिखे। नए साल के जश्न की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आ गई हैं। इसका वीडियो श्रीनगर नगर निगम आयुक्त और श्रीनगर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीईओ अतहर आमिर खान ने साझा किया। खान ने इस क्षण को कुछ ऐसा बताया जो शहर में पहले कभी नहीं देखा गया।

सजाया गया मशहूर लाल चौक

एक स्थानीय लड़की ने कहा, मैं आज यहां आकर बेहद उत्साहित हूं। मैंने श्रीनगर के क्लॉक टॉवर पर आयोजित होने वाले इन समारोहों के बारे में सुना और मैंने अपने पिता से मुझे यहां ले जाने के लिए कहा ताकि मैं इसका गवाह बन सकूं। लाल चौक के ये दृश्य पहले कभी नहीं देखे और समारोह का हिस्सा बनकर मैं खुद को भाग्यशाली महसूस कर रही हूं। मुझे श्रीनगर शहर भर में की गई रोशनी और सजावट भी पसंद आ रही है, खासकर लाल चौक पर, जो स्मार्ट सिटी में परिवर्तित होने के बाद अब पूरी तरह से बदल गया है।

उत्साह में पर्यटक

कश्मीर घाटी घूमने आए पर्यटक भी श्रीनगर के क्लॉक टावर इलाके में जश्न मनाते देख हैरान रह गए। गुलमर्ग, पहलगाम और सोनमर्ग जैसे पर्यटक रिसॉर्ट ज्यादातर बुक हो चुके हैं। अन्य होटल और गेस्ट हाउस में भी पर्यटकों ने अपना ठिकाना खोज लिया है। घाटी में पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है और प्रशासन को उम्मीद है कि 2024 नए रिकॉर्ड बनाएगा।

नववर्ष पर रैनबेसरों में पहुंचे सीएम भजनलाल शर्मा

जयपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नववर्ष के अवसर पर रामनिवास बाग एवं जेके लोन अस्पताल के पास स्थित रैनबसेरों में रह रहे लोगों से मिलकर उनकी कुशलक्षेम पूछी। साथ ही उन्होंने सड़कों पर रह रहे निराश्रित लोगों को कंबल वितरीत किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने रैनबसेरों में व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया एवं प्रबंधको एवं कार्मिकों को रैनबसेरों को स्वच्छ और साफ रखने एवं सभी मूलभूत सुविधाऐं उपलब्ध कराने के दिशा निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने रैनबेसरों में रह रही महिलाओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होने महिलाओं के रैनबसेरों में कपड़े की अस्थाई दीवार लगाने की जगह प्लाई की दीवार बनाने एवं लकड़ी का दरवाज़ा लगवाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सभी रैनबसेरों के पास मोबाईल शौचालय खड़े करने के आदेश दिए ताकि वहां रह रहे लोगों को नित्यक्रियाओं के लिए दूर ना जाना पड़े। उन्होंने रैनबसेरों के आसपास बने गड्ढों को तुरंत भरने के आदेश दिए ताकि किसी को चोट ना लगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुऐ कहा कि कोई निराश्रित व्यक्ति इस ठंड के मौसम में खुले में ना सोए, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए रैनबसेरों में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। एंट्री रजिस्टर अच्छे से मेंटेन किया जाना चाहिए।

अरविंद केजरीवाल ने तय किया नए साल का टारगेट, लोकसभा के अलावा इस राज्य पर फोकस

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए सियासी पार्टियों ने कमर कसनी शुरू कर दी है। आम आदमी पार्टी (आप) विपक्षी दलों के गुट इंडिया अलायंस का एक अहम हिस्सा है। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी को जिन सीटों पर चुनाव लड़ने की अनुमति मिलती है, वहां आप पूरे मन से चुनाव लड़ेगी। दिल्ली और पंजाब की सत्ता में आप पार्टी के आने के बाद केजरीवाल ने घोषणा की कि लोकसभा चुनावों के बाद उनकी पार्टी के लिए अगला बड़ा मुकाबला हरियाणा में होगा। केजरीवाल ने कहा कि मजबूत संगठन के बिना चुनाव नहीं जीता जा सकता, इसलिए अब हमें पूरे देश में संगठन खड़ा करना होगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। हमें जो भी सीटें मिलेंगी, हम चुनाव लड़ेंगे और सभी सीटें जीतेंगे। अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा के विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की तैयारियों का भी जिक्र किया। बता दें इस साल लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा में विधानसभा चुनाव होंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा, 10 साल में हमने राष्ट्रीय राजनीति में प्रभावी प्रभाव डाला है, पहली बार विपक्षी दलों को स्कूल-अस्पताल का काम करने पर मजबूर होना पड़ा। इन लोगों ने हमारा गारंटी शब्द चुरा लिया है। उन्होंने गारंटी तो दी, लेकिन किसी ने उन्हें पूरा नहीं किया, क्योंकि उनकी मंशा ठीक नहीं है, जबकि हम अपनी सभी गारंटी पूरी कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारी पार्टी के जो पांच नेता जेल में हैं, वे हमारे हीरो हैं। उन्होंने कहा, हमें उन सभी पर गर्व है। अगर बच्चों को अच्छी शिक्षा और गरीबों को मुफ्त इलाज देने के लिए हमें जेल जाना पड़ेगा तो हमें इसके लिए तैयार रहना होगा। आप की 12वीं राष्ट्रीय परिषद की बैठक में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आप ने 12 वर्षों में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा, हमने वह कर दिखाया जो दूसरी पार्टियां 75 साल में नहीं कर सकीं। हमने शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, महंगाई और रोजगार की बात की, जो किसी पार्टी ने नहीं की।

शिमला में नए साल के रंग में पड़ा भंग, जश्न के बीच जुब्बल में आधी रात को भीषण अग्निकांड; 75 कमरे जलकर राख

शिमला, एजेंसी। हिमाचल के शिमला जिले के जुब्बल में नए साल का आगाज भीषण अग्निकांड के साथ हुआ है। जुब्बल के गांव परौंठी में बीती देर रात आग ने कोहराम मचा दिया। गांव के कई परिवार जब नए साल का जश्न मना रहे थे, इसी बीच उनके आशियाने आग से धू-धू कर जल गए। आग से करीब सात घर जलकर राख हो गए। अग्निकांड की चपेट में आए सभी घर लकड़ी के बने हुए थे। इस कारण आग तेजी से फैली और दमकल वाहनों के पहुंचने से पहले घर राख हो गए। आग की इस घटना में भारी नुकसान हुआ है। गनीमत यह रही कि इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रात्रि करीब एक बजे परौंठी गांव में आग ने एक घर को चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण किया और सात घर आग की जद में आ गए। घटना के समय अधिकांश घरों में कोई मौजूद नहीं था। इस वजह से किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ। गांववालों की सूचना पर जुब्बल, कोटखाई, रोहड़ू और चिड़गांव से आधा दर्जन दमकल वाहन मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूरे गांव में फैलने से रोका गया। हालांकि तब तक आग घरों को पूरी तरह अपनी जद में ले चुकी थी। कई परिवारों को घरों से सामान भी बाहर करने का मौका नहीं मिला। इस घटना में लगभग 75 कमरे राख हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक, विनय पांटा, ईश्वर पांटा, देवेंद्र पांटा, योगिंदर पांटा, वीरेंद्र पांटा, बसंत पांटा, और अजय पांटा के घर आग की भेंट चढ़ गए। इनमें ज्यादातर परिवार शिमला शहर में रहते हैं और वे शिमला में नए साल का जश्न मना रहे थे। जो परिवार घटना के समय परौंठी में मौजूद थे। उन्होंने आग के दौरान भागकर अपनी जान बचाई। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। जुब्बल पुलिस अग्निकांड की जांच कर रही है।

शिमला से हुआ लोगों का मोहभंग नए साल की पूर्वसंध्या पर सिर्फ 60प्रतिशत होटल रूम भरे, 40 साल में सबसे कम

शिमला, एजेंसी। घर से दूर वादियों में नए साल का जश्न मनाने वाले लोग हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला से दूर नजर आए। आंकड़े संकेत दे रहे हैं कि बीते चार दशकों में पहली बार नए साल की पूर्व संध्या पर पर्यटकों की संख्या में इतनी गिरावट आई है। हालांकि देश के कई अन्य हिस्सों पर नए साल का जश्न जमकर हुआ और आतिशबाजियां भी देखी गईं। हिमाचल प्रदेश में सप्ताहांत में बर्फबारी के अनुमान और नए साल पर शराब पीकर जश्न मनाने वालों के साथ सख्ती न करने के मुख्यमंत्री के निर्देश भी पर्यटकों की लुभा नहीं सके। शिमला में रविवार शाम तक होटलों के करीब 60 प्रतिशत कमरे भरे थे, जो पिछले 40 वर्षों में सबसे कम है। पिछले साल नए साल पर शिमला में 80 फीसदी से ज्यादा कमरे भरे थे। कहा जा रहा है कि एक और वजह बर्फबारी नहीं होना है।

होटल और संबद्ध उद्योग को नए साल पर बर्फबारी की उम्मीद थी, लेकिन अब इसकी संभावना बहुत कम दिख रही है। इससे पहले जाम की खबरों से भी पर्यटकों की आवक प्रभावित हुई थी। होटलों में शुक्रवार को शिमला में 40 प्रतिशत और मनाली में 70 प्रतिशत बुकिंग थी। शिमला होटल एंड टूरिज्म स्टेकहोल्डर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एम के सेठ ने कहा कि राज्य सरकार ने शिमला में शीतकालीन कार्निवल आयोजित करने जैसी अच्छी पहल की है। इससे सड़कों पर पर्यटक दिख रहे हैं, हालांकि होटलों में बुकिंग उसके अनुरूप नहीं है।

शिमला में पर्यटकों को भा रहा विंटर कार्निवल

शिमला में सैलानियों के मनोरंजन के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। यहां के ऐतिहासिक रिज मैदान पर पहली बार विंटर कार्निवल का आयोजन हो रहा है। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सैलानी जमकर लुत्फ उठा रहे हैं। कार्निवाल में लगे स्टालों में सैलानी जमकर खरीदारी भी कर रहे हैं। पर्यटकों को विंटर कार्निवल काफी भा रहा है। इसी तरह मनाली में पहली जनवरी से विंटर कार्निवाल शुरू होगा, जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू करेंगे। हिमाचल के सैलानियों को आकर्षित करने के लिए पर्यटन निगम के 55 होटलों में 40 फीसदी छूट दी जा रही है। वहीं शिमला और मनाली के अधिकांश निजी होटलों में 20 से 30 फीसदी छूट के साथ तीन दिन के ठहराव के साथ चौथी रात मुफ्त रखी गई है।

अचानक सीएम योगी को सामने देख चौंक पड़े बच्चे, पैर छू बोले-हैप्पी न्यू ईयर महाराज जी

गोरखपुर, एजेंसी। साल के पहले दिन यूपी के मंदिरों में दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा है। गोरखपुर के प्रसिद्ध गोरखनाथ मंदिर में भी सुबह-सुबह बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। ऐसे ही दर्शन-पूजन के लिए आए कुछ बच्चों के लिए नववर्ष का पहला दिन हमेशा के लिए यादगार बन गया। दर्शन-पूजन कर मंदिर से निकलते समय अचानक सामने सीएम योगी आदित्यनाथ को देख वे चौंक गए। उनकी खुशी और उत्साह कई गुना बढ़ गई। रविवार को गोरखपुर पहुंचे सीएम योगी सोमवार की सुबह हमेशा की तरह मंदिर परिसर का भ्रमण कर रहे थे। इसी दौरान उनकी नज़र बच्चों पर पड़ी तो वे उनके पास चले गए। सीएम योगी को अचानक अपने सामने देखकर बच्चों की खुशी देखते ही बनती थी। बच्चे सीएम योगी के पैर छूकर बोले, हैप्पी न्यू ईयर महराज जी। सीएम योगी ने इसके जवाब में उन्हें ढेर सारा प्यार दुलार और आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब कभी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं, वे सुबह-सुबह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हैं। सोमवार की सुबह भी वह मंदिर परिसर का भ्रमण कर रहे थे। संयोग से यह नए साल का पहला दिन भी है। मंदिर परिसर का भ्रमण करते मुख्यमंत्री की नजर कड़ाके की ठंड में मंदिर में दर्शन पूजन करने आए कुछ बच्चों पर पड़ गई। उन्होंने प्यार से उन्हें अपने पास बुलाया। सीएम योगी से मुलाकात इस तरह हो जाएगी, इसका बच्चों को यकीन ही नहीं हो पा रहा था। प्रफुल्लित होकर वह मुख्यमंत्री के पास पहुंचे और चरण स्पर्श कर बोल पड़े, हैप्पी न्यू ईयर महराज जी। यह सुनते ही मुख्यमंत्री मुस्कुराने लगे। सिर पर हाथ फेरकर शुभकामनाएं, आशीर्वाद देने के साथ उन्होंने बच्चों का नाम और उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा।

राम मंदिर आंदोलन में शामिल हिंदू कार्यकर्ताओं पर मंडरा रहा गिरफ्तारी का खतरा !

बेंगलुरु, एजेंसी। जैसे-जैसे अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन करीब आ रहा है, कर्नाटक पुलिस विभाग ने तीन दशक पहले राम मंदिर के लिए आंदोलन के चरम पर कथित तौर पर संपत्ति के नष्ट किए जाने और अन्य मामलों में शामिल कार्यकर्ताओं के खिलाफ जांच के लिए मामले उठाए हैं। सूत्रों ने आगे बताया कि पुलिस विभाग ने एक स्पेशल टीम का गठन किया था और आरोपियों की एक लिस्ट तैयार की थी, जो 1992 के राम मंदिर आंदोलन के दौरान आपराधिक मामलों में शामिल थे, जिसके चलते हिंसा और सांप्रदायिक झड़पें हुई थीं। हुबली पुलिस ने 5 दिसंबर 1992 को एक अल्पसंख्यक की दुकान में आग लगाने के कथित मामले में श्रीकांत पुजारी को गिरफ्तार किया। पुजारी इस मामले में तीसरा आरोपी है और पुलिस अन्य आठ आरोपियों की तलाश कर रही है। पुजारी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

इसी तरह, हुबली पुलिस ने 300 आरोपियों की एक लिस्ट तैयार की है, जो कथित तौर पर 1992 और 1996 के बीच हुई सांप्रदायिक झड़पों में वांछित थे। पुलिस सूत्र बताते हैं कि आरोपियों की उम्र 70 के आसपास है और उनमें से कई शहर से दूर चले गए हैं। कई आरोपी अब अहम पदों पर हैं और पुलिस उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के नतीजे पर भी विचार कर रही है। कांग्रेस सरकार ने कथित तौर पर पुलिस विभाग को इस संबंध में मामलों की जांच करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने कहा कि राम जन्म भूमि आंदोलन में कई लोग अब प्रमुख भाजपा नेता हैं और जब भाजपा सत्ता में थी, तो प्रमुख नेताओं के खिलाफ मामले हटा दिए गए थे।

कांग्रेस सरकार के इस कदम के खिलाफ हिंदू संगठनों ने आक्रोश जताया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि चूंकि भाजपा और हिंदू संगठनों ने अयोध्या में श्री राम मंदिर के उद्घाटन की पृष्ठभूमि में घर-घर जाकर अभियान चलाया है, इसलिए कांग्रेस सरकार इस अभियान को बर्दाश्त नहीं कर पा रही है और तीन दशक पहले सामने आए मामलों पर कार्रवाई शुरू करने के लिए इस तरह का कदम उठा रही है। इस घटनाक्रम से राज्य में बड़ा विवाद खड़ा होने की संभावना है। 1990 के दशक में वरिष्ठ भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी द्वारा शुरू किए गए राम जन्मभूमि रथ यात्रा आंदोलन के दौरान कर्नाटक में बड़ी हिंसा देखी गई।

यूपी के मुख्य सचिव ने तीसरे सेवा विस्तार के साथ रचा इतिहास

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा को छह महीने का सेवा विस्तार दिया गया है, जिसके चलते उन्होंने यूपी के दूसरे सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्य सचिव के रूप में एक नया रिकॉर्ड बनाया। पहले ही वह देश के पहले आईएएस अधिकारी होने का इतिहास बना चुके हैं, जिन्हें रिटायरमेंट के बाद मुख्य सचिव (सीएस) के रूप में पहले ही तीन सेवा विस्तार मिल चुका है। केंद्र की मंजूरी के बाद, यूपी सरकार ने रविवार को मिश्रा को राज्य के मुख्य सचिव के रूप में छह महीने का विस्तार देने के आदेश जारी किए, जिस पद पर वह 31 दिसंबर, 2021 से काम कर रहे थे। उन्हें 31 दिसंबर, 2022 को एक साल का विस्तार दिया गया था। अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक देवेश चतुर्वेदी ने कहा, हमने वर्तमान मुख्य सचिव के कार्यकाल को छह महीने यानी 30 जून 2024 तक बढ़ाने के आदेश जारी किए हैं। अगर मिश्रा को एक और विस्तार नहीं मिलता है, तो उनका कार्यकाल ढाई साल का होगा, जब वह छह महीने बाद पद छोड़ देंगे, जिसकी संभावना से इस समय कोई भी इनकार नहीं कर सकता। लेकिन 30 महीने का कार्यकाल भी, जो उन्हें पहले से ही प्राप्त है, हाल के दशकों में अतुल कुमार गुप्ता को छोड़कर शायद किसी भी अन्य आईएएस अधिकारी का सबसे लंबा कार्यकाल होगा। एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ने कहा, मुझे हाल के दिनों में किसी अन्य आईएएस अधिकारी का मुख्य सचिव के रूप में इतना लंबा कार्यकाल याद नहीं है। उनके पूर्ववर्ती आर.के. तिवारी का भी मुख्य सचिव के रूप में लंबा कार्यकाल था लेकिन उनका कार्यकाल डी.एस. मिश्रा से कम था। 1985 बैच के आईएएस अधिकारी (अब सेवानिवृत्त) तिवारी को 30 अगस्त, 2019 को मुख्य सचिव नियुक्त किया गया था और 30 दिसंबर, 2021 को डी.एस. मिश्रा ने सीएस के रूप में 28 महीने का कार्यकाल पूरा करते हुए उनकी जगह ली थी। इससे पहले, अनूप चंद्र पांडे केवल 14 महीने के लिए सीएस के कार्यालय में थे, राजीव कुमार 12 महीने के लिए, दोनों योगी आदित्यनाथ सरकार में थे।

राहुल भटनागर, आलोक रंजन और जावेद उस्मानी सभी को अखिलेश यादव सरकार के तहत नियुक्त सीएस का कार्यकाल क्रमशः नौ महीने, 13 महीने और 26 महीने का था। 16 जुलाई 2016 को इसी शासन के तहत सीएस नियुक्त किए गए दीपक सिंघल का कार्यकाल भी दो महीने से कम था। अकेले अतुल कुमार गुप्ता, जिन्हें मायावती सरकार के तहत सीएस नियुक्त किया गया था, का कार्यकाल डी.एस. मिहरा से थोड़ा अधिक था, जो अभी भी पद पर हैं। 1974 बैच के आईएएस अधिकारी, गुप्ता ने 29 मई, 2008 और 31 मार्च, 2011 के बीच यूपी के मुख्य सचिव के रूप में कार्य किया, उनका कुल कार्यकाल लगभग 34 महीने का था। उनके उत्तराधिकारी अनूप कुमार मिश्रा लगभग 12 महीने ही पद पर रहे। 2000 और 2008 के बीच सीएस नियुक्त किए गए वीके मित्तल, वीके दीवान, बीएन तिवारी, पीके मिश्रा, नीरा यादव, अखंड प्रताप सिंह सहित अन्य आईएएस अधिकारियों का कार्यकाल छोटा था। एक अन्य आईएएस अधिकारी ने कहा, डीएस मिश्रा ने पहली बार इतिहास रचा जब वह सेवानिवृत्ति के बाद एक साल के लिए सीएस नियुक्त होने वाले पहले आईएएस अधिकारी बने। सेवानिवृत्ति के बाद आईएएस अधिकारियों को आम तौर पर केवल छह महीने के लिए एक्सटेंशन दिया जाता है। अब, मिश्रा हाल के वर्षों में सीएस के रूप में सबसे लंबे कार्यकाल का एक नया रिकॉर्ड स्थापित करने के लिए तैयार हैं, जबकि उनका प्रत्येक विस्तार कई आईएएस अधिकारियों की सीएस बनने की उम्मीदों पर पानी फेर देता है।

एलेन डोनाल्ड ने की रबादा की तारीफ, कहा- शानदार तकनीक उन्हें विशेष गेंदबाज बनाती है

केपटाउन । पूर्व महान तेज गेंदबाज एलेन डोनाल्ड का मानना है कि कगिसो रबादा की भूख और गेंद को फेंकने की उनकी बेजोड़ तकनीक उन्हें दक्षिण अफ्रीका का आधुनिक युग का महान गेंदबाज बनाती है। रबादा क्यों विशेष गेंदबाज हैं इसके बारे में विस्तार से बताते हुए डोनाल्ड ने कहा कि रबादा का कूल्हा भाला फेंक के खिलाड़ी की तरह घूमता है जिससे उन्हें अतिरिक्त गति मिलती है।

डोनाल्ड ने कहा कि रबादा की गेंदबाजी शैली अतीत के महान गेंदबाजों की तरह है। दक्षिण अफ्रीका के लिए 61 मैच खेलने वाले 28 साल के रबादा 300 टेस्ट विकेट के आंकड़े से सिर्फ 13 विकेट दूर हैं। पूर्व तेज गेंदबाज और अब कोच डोनाल्ड ने कहा, 'कौशल एक चीज है लेकिन उसमें गेंद को बल्लेबाज से दूर ले जाने की शानदार क्षमता है। उसने पहले टेस्ट मैच में बेहतरीन गेंदों पर कुछ शानदार विकेट हासिल किए।%

सेंचुरियन में श्रृंखला के शुरुआती मैच में रबादा ने सात विकेट लिए जिसमें भारत की पहली पारी में पांच विकेट भी शामिल हैं। डोनाल्ड ने कहा, 'उसे गेंदबाजी करते हुए देखना हमेशा की तरह शानदार था। मुझे लगता है कि सफलता के लिए उसकी प्यास प्रदर्शन में निरंतरता को प्रेरित करती है। जिस किसी को भी सफलता मिलती है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह कौन सा खेल खेलता है, उसकी सफलता का मूल्यांकन उसके प्रदर्शन की निरंतरता से किया जाता है।%

व्हाइट लाइटनिंग% के नाम से मशहूर डोनाल्ड ने कहा कि तेज गेंदबाजी करने के लिए कूल्हे और कंधे का सुचारू मूवमेंट जरूरी होता है और रबादा इस मामले में तकनीकी रूप से बाकियों से काफी आगे हैं। उन्होंने कहा, 'सभी अच्छे तेज गेंदबाजों के कूल्हे और कंधे का घुमाव शानदार होता है और यदि आप उसे तकनीकी रूप से देखें तो वह हवा में बेहतरीन स्थिति में आ जाता है।%

डोनाल्ड ने कहा, 'कर्टली एम्ब्रोस, कर्टनी वॉल्श, इयान बिशप, माइकल होल्डिंग जैसे अन्य महान खिलाड़ियों को देखें, ये सभी जब गेंदबाजी के लिए छलांग लगाते थे तो उन्हें गेंद को तेज गति से फेंकने के लिए काफी समय मिलता था और यही काम केजी (रबादा) खूबसूरती से करता है। हम हवा में रहने के समय के बारे में बात कर रहे हैं।% डोनाल्ड ने रबादा के कूल्हे के घुमाव की तुलना भाला फेंक के शीर्ष खिलाड़ी से की।

उन्होंने कहा, 'यदि आप उसके पैरों को देखें तो प्रत्येक गेंद बहुत तेज होती है। केजी के कूल्हे का घुमाव भाला फेंकने वाले खिलाड़ी की मूवमेंट की तरह होता है। वह अपनी लय और एक्शन को अच्छी तरह से जानता है इसलिए तकनीकी रूप से वह काफी ठोस है। वह पैट कमिंस या मिचेल स्टार्क जितना ही बायोमैकेनिक्स को समझता है।% शुरुआत में डोनाल्ड की फेनी डिविलियर्स, ब्रायन मैकमिलन, ब्रेट शुल्ज के साथ साझेदारी की काफी चर्चा हुई और बाद में उन्होंने शॉन पोलाक के साथ घातक जोड़ी बनाई।

डोनाल्ड ने कहा, 'मैं तुलना करने को लेकर हमेशा सतर्क रहता हूं कि हम क्या थे और दक्षिण अफ्रीका के पास वर्तमान में क्या है। हमने मैदान पर कड़ी मेहनत की है और दुनिया में नंबर एक थे। हमारे पास शानदार गेंदबाजी आक्रमण था और बल्लेबाजी में अविश्वसनीय गहराई थी।% उन्होंने कहा, 'हमारे पास हर प्रांत में पांच या छह तेज गेंदबाज थे। अगर मैं उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन नहीं करता तो टीम में अपनी जगह खो सकता था।% इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, 'लेकिन मुझे लगता है कि मौजूदा आक्रमण का भविष्य है, आपके पास रबादा नाम का एक लड़का है जो इस आक्रमण का खूबसूरती से नेतृत्व कर रहा है, जो शानदार खिलाड़ी और नेतृत्वकर्ता है।

घरेलू मैदान पर हार का सिलसिला तोड़ने उतरेगा भारत, हरमनप्रीत पर होगी नजर

मुंबई । पिछले दो मैच में करीबी अंतर से पराजय झेलने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर लगातार नौ मैच से चला आ रहा हार का सिलसिला खत्म करने की कोशिश करेगी। इस मैच में सभी का ध्यान भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर के प्रदर्शन पर टिका रहेगा। भारत ने वनडे श्रृंखला से पहले इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच जीते थे। इन दोनों मैच और उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे मैच में हरमनप्रीत अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई। हरमनप्रीत ने इस सत्र में अब तक सभी प्रारूप में जो आठ पारियां खेली हैं उनमें से केवल तीन पारियों में वह दोहरे अंक तक पहुंच पाई। इस बीच उनका सर्वोच्च स्कोर 49 रन रहा जो उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में बनाया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच की एकमात्र पारी में हरमनप्रीत खाता भी नहीं खोल पाई थी जबकि पहले दो वनडे में उन्होंने 9 और 5 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने यह दोनों में जीत कर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल कर रखी है। पहले मैच में भारतीय गेंदबाज नहीं चल पाए थे और 8 विकेट पर 282 रन बनाने के बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा था। दूसरे मैच में भारत का क्षेत्ररक्षण अच्छा नहीं रहा था और उसने सात कैच छोड़े थे। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच तीन रन से जीता था।

दूसरे मैच में रिचा घोष ने 113 गेंद पर 96 रन की लाजवाब पारी खेली थी जबकि जेमिमा रोड्रिग्स ने बल्लेबाजी में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा था। रिचा घोष नंबर तीन पर भारत की नई स्टार है जो टीम को आक्रामक शुरुआत देने में सक्षम है। दूसरी तरफ अमनजोत कौर और दीप्ति शर्मा पर दबाव होगा क्योंकि पिछले मैच में अच्छी स्थिति में होने के बावजूद वह टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा पाई थी। भारतीय टीम के लिए हालांकि सबसे बड़ी चिंता क्षेत्ररक्षण में खराब प्रदर्शन है।

मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने स्वीकार किया कि टीम को इस विभाग में सुधार करने की जरूरत है। भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया को अपने घरेलू मैदान का फरवरी 2007 के बाद से नहीं हरा पाई है और अगर उसे हार का यह सिलसिला खत्म करना है तो उसकी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इस बीच मजूमदार ने पुष्टि की कि स्नेह राणा तीसरे मैच में खेलने के लिए उपलब्ध रहेगी। वह दूसरे वनडे में क्षेत्ररक्षण करते समय पूजा वस्त्राकर से टकराकर चोटिल हो गई थी।

टीम इस प्रकार है

भारत - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), रिचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर , तितास साधु, पूजा वस्त्राकर, स्नेह राणा, हरलीन देयोल।

ऑस्ट्रेलिया - एलिसा हीली (कप्तान और विकेटकीपर), डार्सी ब्राउन, हीथर ग्राहम, एशले गार्डनर, किम गार्थ, जेस जोनासेन, एलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, बेथ मूनी (विकेटकीपर), एलिसे पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वेयरहैम।

समय - दोपहर 1⁼30 बजे से।

नाओमी ओसाका की मां बनने के बाद कोर्ट पर सफल वापसी

ब्रिस्बेन । विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने मां बनने के बाद टेनिस कोर्ट पर सफल वापसी करते हुए सोमवार को यहां ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टूर्नामेंट के पहले दौर में जीत दर्ज की। जर्मनी की तमारा कोरपात्श के खिलाफ ओसाका दूसरे सेट में 5-3 पर मैच के लिए सर्विस कर रही थी लेकिन उन्होंने अपनी सर्विस गंवा दी। यह सेट आखिर में टाइब्रेकर तक खिंचा जिसमें ओसाका ने 6-3, 7-6 (9) ने जीत दर्ज करके अगले दौर में जगह बनाई। ऑस्ट्रेलियाई ओपन और अमेरिकी ओपन की पूर्व विजेता ओसाका गर्भवती होने के कारण पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन से हट गई थी। जुलाई में उन्होंने बिटिया को जन्म दिया था। ओसाका ने मैच के बाद कहा, 'पूरे मैच के दौरान मैं वास्तव में काफी नर्वस थी। मैं सभी दर्शकों का आभार व्यक्त करती हूं जिन्होंने मेरा हौसला बढ़ाया।% ओसाका अगले दौर में विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी और ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में तीन बार की चैंपियन कैरोलिना प्लिस्कोवा से भिड़ेंगी। लगातार बारिश के का बाहरी कोर्ट पर होने वाले मैच स्थगित करने पड़े। मुख्य कोर्ट पर छत होने के कारण उसी पर मैच संभव हो पाए। पुरुष वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त होल्गर रूने ने ऑस्ट्रेलिया के मैक्स परसेल को 4-6, 6-4, 6-2 से हराया, लेकिन पिछले साल अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले अमेरिका के 21 वर्षीय खिलाड़ी और यहां तीसरी वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को रोमन सफीउलिन से 6-3, 6-7 (5), 6-3 से हार का सामना करना पड़ा। मेलबर्न में 14 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन की तैयारी के सिलसिले में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल काफी महत्व रखता है।

जमशेदपुर एफसी ने सीजन के अंत तक खालिद जमील को मुख्य कोच नियुक्त किया

जमशेदपुर , एजेंसी। अंतरिम कोच के रूप में अपने पहले कार्यकाल में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के प्लेऑफ में ले जाने वाले खालिद जमील को रविवार को शेष सीज़न के लिए जमशेदपुर एफसी का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। अनुभवी और उच्च सम्मानित एएफसी प्रो लाइसेंस प्राप्त कोच खालिद जमील जनवरी में कलिंगा सुपर कप के साथ शुरू होने वाले जमशेदपुर एफसी के साथ अपनी यात्रा शुरू करेंगे, जिसके बाद इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 का शेष सीज़न होगा। उन्होंने स्कॉट कूपर की जगह संभाली है। जमशेदपुर एफसी, जो वर्तमान में आईएसएल के मध्य चरण में 12 मैचों में नौ अंकों के साथ 12 टीमों में 10वें स्थान पर है, ने कुछ हफ्ते पहले कूपर को बर्खास्त कर दिया था।क्लब ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक बयान में बताया कि खालिद तुरंत टीम की कमान संभालेंगे क्योंकि सारा ध्यान कलिंगा सुपर कप पर केंद्रित है, जहां जमशेदपुर की पहली चुनौती 10 जनवरी को भुवनेश्वर में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ है। खालिद एक पूर्व खिलाड़ी और एक सफल मैनेजर के रूप में भारतीय फुटबॉल में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं।

वह आईएसएल टीम के स्थायी मुख्य कोच बनने वाले पहले भारतीय हैं और आईएसएल प्लेऑफ़ में टीम का मार्गदर्शन करने वाले एकमात्र भारतीय कोच हैं। अपने शानदार करियर में, खालिद ने आइजोल के साथ 2016-17 सीज़न के लिए आई-लीग सर्वश्रेष्ठ कोच पुरस्कार और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के साथ एफपीएआई इंडियन फुटबॉल अवार्ड्स- कोच ऑफ द ईयर (2020-21) जैसे व्यक्तिगत पुरस्कार जीते हैं। आईएसएल में खालिद का पहला जुड़ाव नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के साथ था जहां उन्होंने 2019-20 में अकादमी के प्रमुख के रूप में हस्ताक्षर किए। क्लब के साथ उन्हें सफलता 2020-21 में मिली जब उन्हें शेष सीज़न के लिए अंतरिम मुख्य कोच के रूप में नियुक्त किया गया और उन्होंने 10 मैचों के नाबाद क्रम के साथ हाईलैंडर्स को प्लेऑफ़ में पहुँचाया। उनके प्रदर्शन के बदले, खालिद को 2021-22 सीज़न के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया गया, जिससे वह आईएसएल क्लब के पहले भारतीय स्थायी मुख्य कोच बन गए। उन्होंने आइजोल एफसी को 2016-17 आई-लीग खिताब भी दिलाया, जिससे वे राष्ट्रीय खिताब जीतने वाला पूर्वोत्तर का पहला क्लब बन गए। आइजोल एफसी के साथ उनकी सफलता को पूरे फुटबॉल जगत ने देखा और उन्हें ईस्ट बंगाल और बाद में मोहन बागान में मुख्य कोच बनने का प्रस्ताव मिला। जमशेदपुर एफसी के सीईओ, मुकुल चौधरी ने कहा, ÷मैं आईएसएल और आई-लीग में व्यापक अनुभव वाले कोच खालिद जमील का स्वागत करता हूं। कलिंगा सुपर कप और शेष आईएसएल के आधे हिस्से में खेलने के लिए हमारे पास सब कुछ है। इसलिए, हमारा मानना है कि उनके पास भारतीय फुटबॉल में हमें अगले गेम से शुरुआत करने और आगे ले जाने की समझ, अनुभव और ट्रैक रिकॉर्ड है। खालिद ने जमशेदपुर के लिए अनुबंध करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, मुझे यह अवसर देने के लिए मैं क्लब प्रबंधन को धन्यवाद देना चाहता हूं और मैं जमशेदपुर एफसी में शामिल होने के लिए बहुत उत्साहित महसूस कर रहा हूं। हमारा लक्ष्य जमशेदपुर एफसी को बेहतर स्थिति में लाना है और इसके लिए हम सभी को कड़ी मेहनत करके जमशेदपुर को शीर्ष पर लाना होगा। खालिद ने जमशेदपुर और झारखंड के हमेशा मौजूद और मुखर प्रशंसकों के लिए एक संदेश भी दिया और कहा, जमशेदपुर एफसी का समर्थन करते रहें, हमें हर मैच में आपके समर्थन की पहले से कहीं ज्यादा जरूरत है।

साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान अली बाकर ने सचिन तेंदुलकर की बल्लेबाजी और व्यक्तित्व की प्रशंसा की

केपटाऊन, एजेंसी। सचिन तेंदुलकर क्रिकेट के खेल के जीवित दिग्गजों में से एक हैं। सचिन तेंदुलकर ने 1989 में 16 साल की उम्र में पदार्पण किया और 2013 में क्रिकेट के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक के रूप में संन्यास लिया। सचिन तेंदुलकर ने 24 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान अपने नाम कई रिकॉर्ड दर्ज किए। कुछ ऐसा ही प्रदर्शन वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा का भी रहा। ब्रायन लारा ने सचिन तेंदुलकर के एक साल बाद पदार्पण किया और 2007 में संन्यास ले लिया। साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान अली बाकर ने सचिन तेंदुलकर की बल्लेबाजी और व्यक्तित्व की प्रशंसा की। अली बाकर ने सचिन तेंदुलकर को ब्रायन लारा से बेहतर खिलाड़ी करार दिया। अली बाकर ने सुपरस्पोर्ट पार्क के प्रेसीडेंट बॉक्स में साफ किया कि समय बीतने के साथ खेल के प्रति उनकी भूख कम हुई है। सभी भारतीय चीजों के प्रति उनका प्यार स्पष्ट है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है जब वह बताते हैं कि क्रिकेट में अपनी दूसरी पारी में उन्हें जिन खिलाड़ियों ने प्रभावित किया है उनमें से वह सचिन तेंदुलकर का सबसे अधिक सम्मान करते हैं। अली बाकर ने लिखा, 'वह (सचिन तेंदुलकर) अनूठे हैं। वह एक अलग ग्रह से आए हैं। मैंने उनकी कई शानदार पारियां देखी हैं, लेकिन मेरे लिए यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह एक इंसान के तौर पर कैसे हैं। भगवान, क्या उनसे कभी किसी की बहस हुई है? मुझे ऐसा नहीं लगता। वह उनकी महानता को जाहिर करता है। अली बाकर ने कहा, 'आप पता है? ऑस्ट्रेलियाई लोग मानते हैं कि ब्रायन लारा उनसे बेहतर थे। मैं कहता हूं कि यह बकवास है। मैं कहता हूं कि ब्रायन लारा ने 40 लाख लोगों के सामने खेले। यार, इस आदमी (सचिन तेंदुलकर) के पास 1.4 अरब लोग थे। क्या आप उस व्यक्ति के दबाव की कल्पना कर सकते हैं? मुझे मत बताओ।'

अब तक की सर्वश्रेष्ठ है भारतीय टेस्ट टीम - सेंचुरियन में बड़ी हार झेलने के बावजूद अली बाकर ने रोहित शर्मा की मौजूदा टीम को बहुत ऊंचा दर्जा दिया। उन्होंने जोर देकर कहा, 'मैंने टेस्ट क्रिकेट में अब तक जो भी भारतीय टीम देखी है उनमें यह सर्वश्रेष्ठ है। पहले आपके पास एक या दो अच्छे तेज गेंदबाज हुआ करते थे और वे कपिल देव और शायद (जवागल) श्रीनाथ थे। अब आपके पास कई प्रमुख तेज गेंदबाज हैं। जब आपके पास अच्छे तेज गेंदबाज होते हैं, तो आप हावी हो जाते हैं।'

रोहित शर्मा को बताया धाकड़ सलामी बल्लेबाज - अली बाकर ने कहा, 'आपको कप्तान के रूप में एक धाकड़ सलामी बल्लेबाज मिला है। पहले दिन से ही वह तुम्हारे पीछे पड़ा है। आपके पास (विराट) कोहली हैं, जो आज का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है। कोहली ने यह टीम इसलिए बनाई क्योंकि मुझे हमेशा लगता था कि भारत के साथ मैदान पर कोई बकवास नहीं कही जाती। कोहली को आप एक मील दूर से देख सकते हैं। वह मुझे एक ऑस्ट्रेलियाई की याद दिलाता है। उसने उस लड़ाई की भावना को इंजेक्ट किया है। मैं उनका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। वह आज दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं।'

अपनी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट में 4-0 से हरा चुके हैं अली बाकर - डॉ. अली बाकर एक ऐसा नाम है जो भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को भाता है। अली बाकर ने 1960 और 1970 के दशक की शुरुआत में साउथ अफ्रीका के लिए 12 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने अपने करियर के आखिरी 4 टेस्ट बतौर कप्तान खेले। खास यह रहा कि अली बाकर ने साउथ अफ्रीका की अगुआई करते हुए बिल लॉरी की ऑस्ट्रेलिया को घरेलू सरजमीं पर 4-0 से हराया। उन्होंने अपना अंतिम टेस्ट मैच मार्च 1970 में गकेबरहा (तत्कालीन पोर्ट एलिजाबेथ) में खेला। इसके बाद साउथ अफ्रीकी क्रिकेट टीम पर बैन लगने के कारण उनका अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त हो गया।

81 साल की उम्र में भी क्रिकेट को लेकर उत्सुक हैं अली बाकर - इस दौरान अली बाकर ने स्थानीय क्रिकेट को मजबूत और जीवंत बनाए रखने के लिए साउथ अफ्रीका में 'बागी' दौरों का आयोजन किया, लेकिन जैसे ही देश में बदलाव की हवा चली, उन्होंने अपना रुख बदला और अपने देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से शामिल करने में अहम भूमिका निभाई। 81 साल की उम्र में वह अब भी इस खेल के प्रति उत्सुक हैं। हालांकि,जोहान्सबर्ग से सेंचुरियन तक यात्रा करने के बारे में बहुत कम सोचते हैं।

विश्व कप विजेता कप्तान मेसी बड़ा सम्मान देगा अर्जेंटीना, अब किसी को नहीं मिलेगी 10 नंबर की जर्सी

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने राष्ट्रीय टीम में 10 नंबर की जर्सी को रिटायर करने का फैसला किया है। मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना की टीम ने कतर में खेले गए विश्व कप के फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। अर्जेंटीना ने अपने फुटबॉल कप्तान लियोनल मेसी को बड़ा सम्मान देने का निर्णय किया है। 2022 में टीम को विश्व कप दिलाने वाले मेसी की 10 नंबर की जर्सी को अब कोई खिलाड़ी भविष्य में नहीं पहन सकेगा। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने राष्ट्रीय टीम में 10 नंबर की जर्सी को रिटायर करने का फैसला किया है। मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना की टीम ने कतर में खेले गए विश्व कप के फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में हराया था।अर्जेंटीना फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष क्लाउडियो चिक्की तापिया के हवाले से लिखा, जब मेसी राष्ट्रीय टीम से रिटायर होंगे, तो उनके बाद किसी और को 10 नंबर की जर्सी पहनने की अनुमति नहीं मिलेगी। 10 नंबर की जर्सी उनके सम्मान में हमेशा के लिए रिटायर कर दी जाएगी। हम उनके लिए इतना तो कर ही सकते हैं।

मेसी ने दो साल में जीते तीन खिताब

मेसी ने दो साल के अंदर अर्जेंटीना के लिए तीन खिताब जीते। उन्होंने कोपा अमेरिका 2021 जीतने के बाद 2022 में फिनालिसिमा और विश्व कप को अपने नाम किया। कई लोगों को संदेह था किवह 2014 विश्व कप फाइनल में जर्मनी से हार और कोपा अमेरिका में चिली के खिलाफ हार के बाद आगे नहीं खेलेंगे। 2016 में उन्होंने संन्यास भी ले लिया था, लेकिन बाद में वापसी की। उसके अपने खेल में सुधार किया।

केलोनी ने बदला अर्जेंटीना का खेल

लियोनल स्केलोनी के कोच बनने के बाद टीम का प्रदर्शन शानदार हुआ और उसने तीन खिताब जीत लिए। विश्व कप में सऊदी अरब के खिलाफ ग्रुप मैच में हारने के बाद अर्जेंटीना ने शानदार वापसी की और विश्व कप को जीत लिया। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए 180 मैचों में 106 गोल किए हैं। 2026 में विश्व कप शुरू होने तक मेसी का भविष्य खतरे में है। वह 2024 में अर्जेंटीना के लिए दूसरी बार कोपा अमेरिका ट्रॉफी जीतकर संन्यास ले सकते हैं।

आईसीसी और शीर्ष क्रिकेट बोर्ड्स पर बरसे स्टीव वॉ, टेस्ट क्रिकेट को तवज्जो नहीं देने के लिए लताड़ा

सिडनी । आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता नहीं देने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सहित दुनिया के शीर्ष क्रिकेट बोर्डों की कड़ी आलोचना की है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने अपनी टी20 लीग को प्राथमिकता देते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए कमजोर टीम का चयन किया है। उसने नया कप्तान चुना है और उसकी टीम में सात ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। वॉ ने दक्षिण अफ्रीका के इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए अन्य क्रिकेट बोर्ड और आईसीसी पर भी निशाना साधा। वॉ ने सिडनी मार्निंग हेराल्ड से कहा, 'निश्चित तौर पर उन्हें (टेस्ट क्रिकेट की) कोई परवाह नहीं है। अगर दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को स्वदेश में रखकर भविष्य के लिए कोई संकेत दे रहा है तो फिर ऐसा होने वाला है।%

उन्होंने कहा, 'अगर मैं न्यूजीलैंड की जगह होता तो मैं श्रृंखला में नहीं खेलता। मैं नहीं जानता कि वह क्यों खेल रहे हैं। अगर आप न्यूजीलैंड क्रिकेट के प्रति सम्मान नहीं दिखाते तो फिर खेलने का क्या मतलब।% वॉ ने कहा, 'क्या यह टेस्ट क्रिकेट के समाप्त होने का निर्णायक क्षण है। निश्चित तौर पर आईसीसी तथा भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट बोर्ड को खेल के इस विशुद्ध प्रारूप को बचाने के लिए प्रयास करने चाहिए।% ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा, 'इतिहास और परंपरा भी अपना महत्व रखती हैं। अगर हमने कोई कदम नहीं उठाया और मुनाफा हासिल करने को ही अपना मानदंड माना, तो (सर डॉन) ब्रैडमैन, (डब्ल्यूजी) ग्रेस और (सर गारफील्ड) सोबर्स की विरासत अप्रासंगिक हो जाएगी।% यह पहला अवसर नहीं है जबकि दक्षिण अफ्रीका ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बजाय अपनी घरेलू टी20 लीग को प्राथमिकता दी। पिछले साल उसने आस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए कमजोर टीम का चयन किया था क्योंकि उसके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी लीग में खेल रहे थे।

वॉ ने कहा, 'अगर आईसीसी या किसी अन्य ने जल्द ही कोई कदम नहीं उठाया तो टेस्ट क्रिकेट वैसा नहीं रहेगा जैसा उसे होना चाहिए क्योंकि आप सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के सामने खुद को नहीं परख रहे हैं। मैं जानता हूं कि खिलाड़ी इस प्रारूप में क्यों नहीं खेलना चाहते हैं। उन्हें पर्याप्त धनराशि नहीं मिल रही है।% उन्होंने कहा, 'मेरी समझ में नहीं आता कि आईसीसी या अन्य शीर्ष देश जो ढेर सारा पैसा कमा रहे हैं, वह टेस्ट मैच के लिए एक नियमित शुल्क तय क्यों नहीं करते जिससे कि खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

जागरुकता

सेप्सिस : कोशिका मृत्यु का कारण बन सकता है

सेप्सिस जीवन को जोखिम में डालने वाली एक स्थिति है, जो एक संक्रमण के खिलाफ शरीर की अत्यधिक प्रतिक्रिया से उत्पन्न होती है, जब यह अपने स्वयं के ऊतकों और अंगों को नुकसान पहुंचाने पर उतारू हो जाती है। सेप्सिस का पहला ज्ञात संदर्भ 2,700 साल से अधिक पुराना है, जब ग्रीक कवि होमर ने इसे सेपो शब्द के व्युत्पन्न के रूप में इस्तेमाल किया था, जिसका अर्थ है- मैं सड़ा। सेप्सिस के पीछे के प्रतिरक्षात्मक तंत्र को समझने में नाटकीय सुधार के बावजूद, यह अभी भी एक प्रमुख चिकित्सा चिंता बनी हुई है, जो अमेरिका में 750,000 लोगों को प्रभावित करती है और हर साल वैश्विक स्तर पर लगभग पांच करोड़ लोगों को प्रभावित करती है। 2017 में दुनिया भर में सेप्सिस से एक करोड़ 10 लाख लोगों की मृत्यु हुई, और यह अमेरिका में सबसे महंगी चिकित्सा स्थिति है, जिसकी लागत सालाना अरबों डॉलर से अधिक है।

हम शोधकर्ता हैं जो अध्ययन करते हैं कि संक्रमण के दौरान कुछ प्रकार के बैक्टीरिया कोशिकाओं के साथ कैसे संपर्क करते हैं। हम वास्तव में यह समझना चाहते थे कि कैसे एक अतिप्रतिक्रियाशील प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया सेप्सिस जैसे हानिकारक और यहां तक कि घातक प्रभाव भी पैदा कर सकती है।

ऑटोइम्युनिटी और सेप्सिस में टीएनएफ

संक्रमण के प्रति शरीर की प्रतिक्रिया तब शुरू होती है जब प्रतिरक्षा कोशिकाएं हमलावर रोगज़नक़ के घटकों को पहचानती हैं। ये कोशिकाएं तब साइटोकिन्स जैसे अणुओं को छोड़ती हैं जो संक्रमण को खत्म करने में मदद करते हैं। साइटोकिन्स छोटे प्रोटीन का एक व्यापक समूह है जो अन्य प्रतिरक्षा कोशिकाओं को संक्रमण या चोट के स्थान पर लगाता है। जबकि साइटोकिन्स प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में एक आवश्यक भूमिका निभाते हैं, अत्यधिक और अनियंत्रित साइटोकिन उत्पादन सेप्सिस से जुड़े खतरनाक साइटोकिन स्टॉर्म का कारण बन सकता है। साइटोकिन स्टॉर्म को पहली बार ग्राफ्ट बनाम मेजबान रोग के संदर्भ में देखा गया था, जो प्रत्यारोपण जटिलताओं से उत्पन्न हुआ था। वे कोविड-19 सहित वायरल संक्रमण के दौरान भी हो सकते हैं। यह अनियंत्रित प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया बहु-अंग विफलता और मृत्यु का कारण बन सकती है। सैकड़ों साइटोकिन्स में से, ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर, या टीएनएफ, सबसे शक्तिशाली होता है और पिछले 50 वर्षों से इसके बारे में सबसे अधिक अध्ययन किया गया है।

ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर का नाम ट्यूमर कोशिकाओं को मरने के लिए प्रेरित करने की इसकी क्षमता पर आधारित है, जब प्रतिरक्षा प्रणाली एक कोली बैक्टीरिया के अर्क से उत्तेजित होती है, जिसका नाम कोली उस शोधकर्ता के नाम पर रखा गया है जिसने इसे एक सदी पहले पहचाना था। इस विष को बाद में लिपोपॉलिसेकेराइड या एलपीएस के रूप में पहचाना गया, जो कुछ प्रकार के जीवाणुओं की बाहरी झिल्ली का एक घटक है। एलपीएस टीएनएफ का सबसे मजबूत ज्ञात ट्रिगर है, जो एक बार सतर्क होने पर, हमलावर बैक्टीरिया को खत्म करने के लिए संक्रमण स्थल पर प्रतिरक्षा कोशिकाओं को लगाने में सहायता करता है।

सामान्य परिस्थितियों में, टीएनएफ सेल अस्तित्व और ऊतक पुनर्जनन जैसी लाभकारी प्रक्रियाओं को बढ़ावा देता है। हालांकि, निरंतर प्रदाह और प्रतिरक्षा कोशिकाओं के निरंतर प्रसार से बचने के लिए टीएनएफ उत्पादन को कसकर नियंत्रित किया जाना चाहिए। अनियंत्रित टीएनएफ उत्पादन रूमेटोइड गठिया और इसी तरह की प्रदाह की स्थिति के विकास का कारण बन सकता है।

संक्रमण की स्थिति में, टीएनएफ को प्रदाह से अत्यधिक ऊतक और अंग क्षति को रोकने और एक अति सक्रिय प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को रोकने के लिए भी कड़ाई से विनियमित किया जाना चाहिए। जब टीएनएफ को संक्रमण के दौरान अनियंत्रित छोड़ दिया जाता है, तो इससे सेप्सिस हो सकता है।

कई दशकों तक, बैक्टीरियल एलपीएस की प्रतिक्रियाओं की जांच करके सेप्टिक शॉक के अध्ययन का मॉडल तैयार किया गया था। इस मॉडल में, एलपीएस कुछ प्रतिरक्षा कोशिकाओं को सक्रिय करता है जो भड़काऊ साइटोकिन्स के उत्पादन को ट्रिगर करते हैं, विशेष रूप से टीएनएफ में। यह तब अत्यधिक प्रतिरक्षा सेल प्रसार, उनकी सक्रियता और मृत्यु की ओर जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अंततः ऊतक और अंग क्षति होती है। बहुत मजबूत प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया अच्छी बात नहीं है।

शोधकर्ताओं ने दिखाया है कि टीएनएफ गतिविधि को अवरुद्ध करने से रूमेटाइड गठिया, सोरियाटिक गठिया और आंत्र रोग सहित कई ऑटोइम्यून बीमारियों का प्रभावी ढंग से इलाज किया जा सकता है। टीएनएफ ब्लॉकर्स का उपयोग पिछले दशकों में नाटकीय रूप से बढ़ा है, जो लगभग 40 अरब अमेरिकी डॉलर के बाजार आकार तक पहुंच गया है। हालांकि, टीएनएफ अवरोधक साइटोकिन तूफान को रोकने में असफल रहे हैं जो कोविड-19 संक्रमण और सेप्सिस से उत्पन्न हो सकता है। यह आंशिक रूप से है क्योंकि वर्षों के शोध के बावजूद टीएनएफ शरीर पर अपने जहरीले प्रभाव को कैसे ट्रिगर करता है, यह अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है।

टीएनएफ कैसे घातक हो सकता है

सेप्सिस का अध्ययन करने से कुछ संकेत मिल सकते हैं कि टीएनएफ कैसे मध्यस्थता करता है कि प्रतिरक्षा प्रणाली संक्रमण के प्रति प्रतिक्रिया कैसे करती है। सेप्सिस जैसी तीव्र भड़काऊ स्थितियों में, टीएनएफ ब्लॉकर्स टीएनएफ अतिउत्पादन को रोकने में कम सक्षम होते हैं। हालांकि, चूहों में अध्ययन से पता चलता है कि टीएनएफ को बेअसर करने से जीवाणु एलपीएस से जानवर की मौत को रोका जा सकता है। शोधकर्ता इस विसंगति के कारण को अभी तक नहीं समझ पाए हैं, लेकिन यह आगे समझने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है कि टीएनएफ सेप्सिस में कैसे योगदान देता है। अस्थि मज्जा, या माइलॉयड कोशिकाओं में बनी रक्त कोशिकाओं को टीएनएफ का प्रमुख उत्पादक माना जाता है। इसलिए हमने सोचा कि क्या माइलॉयड कोशिकाएं टीएनएफ-प्रेरित मौत में भी मध्यस्थता करती हैं।

सबसे पहले, हमने पहचान की कि कौन से विशेष अणु टीएनएफ-प्रेरित मृत्यु से सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं। जब हमने टीएनएफ की घातक खुराक के साथ चूहों को इंजेक्ट किया, तो हमने पाया कि चूहों में या तो टीआरआईएफ या सीडी14 की कमी है, दो प्रोटीन आमतौर पर बैक्टीरिया एलपीएस के लिए प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया से जुड़े होते हैं, लेकिन टीएनएफ से नहीं। यह खोज हमारे पहले के काम के समानांतर है जो इन कारकों की पहचान एक प्रोटीन कॉम्प्लेक्स के नियामकों के रूप में करता है जो एलपीएस के जवाब में कोशिका मृत्यु और प्रदाह को नियंत्रित करता है। अगला, हम यह पता लगाना चाहते थे कि टीएनएफ-प्रेरित मृत्यु में कौन सी कोशिकाएँ शामिल हैं। जब हमने दो विशिष्ट प्रकार के माइलॉयड कोशिकाओं, न्यूट्रोफिल और मैक्रोफेज में दो प्रोटीनों की कमी वाले चूहों में टीएनएफ की घातक खुराक इंजेक्ट की, तो चूहों ने सेप्सिस के लक्षणों को कम कर दिया और जीवित रहने में सुधार हुआ। यह खोज मैक्रोफेज और न्यूट्रोफिल को चूहों में टीएनएफ-मध्यस्थता मौत के प्रमुख कारण के रूप में रखती है। हमारे परिणाम सेप्सिस के संभावित उपचार लक्ष्य के रूप में टीआरआईएफ और सीडी14 का भी सुझाव देते हैं, जिसमें कोशिका मृत्यु और प्रदाह दोनों को कम करने की क्षमता होती है।

जागरुकता

बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को ठंड से बचाएं

ठंड के मौसम में स्वस्थ रहने के लिए बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। शीत ऋतु के दौरान आहार-विहार में थोड़ी सी लापरवाही भी स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है। आयुर्वेद के मत से शिशिर ऋतु में कफ का संचय और वसंत ऋतु में कफ का प्रकोप होता है। यदि शिशिर ऋतु में ही आहार-विहार का ध्यान रखा जाए तो शिशिर और वसंत दोनों ऋतुओं में होने वाले रोगों से बचाव हो सकता है। खांसी, जुकाम, गले की खराबी, बुखार आदि इस मौसम की सामान्य बीमारियां हैं। थोड़ी सी लापरवाही से ही सांस फूलने, अस्थमा और निमोनिया जैसे रोगों की चपेट में आ सकते हैं। डायबिटीज, अर्थराइटिस, हाई ब्लड प्रेशर और दिल के मरीजों को इस मौसम में विशेष सावधान रहने की आवश्यकता है। ठंड के साथ-साथ आजकल प्रदूषण भी चरम सीमा पर है, इसलिए सुबह के समय बुजुर्गों और मरीजों को सैर पर नहीं जाना चाहिए। यदि सैर पर जाना हो तो धूप निकलने के बाद ही जाएं। सुबह के समय सर्दी के दिनों में सबसे ज्यादा हार्टअटैक होते हैं, इसलिए मरीजों का कमरा रात में गर्म रहना चाहिए।

ठंडी तासीर की चीजों के साथ-साथ कड़वे, तीखे व कसैले स्वाद वाला भोजन इस मौसम में सेहत के लिए हानिकारक होता है क्योंकि ये सभी पदार्थ कफ और वात वर्धक होते हैं। चावल, दही, कढ़ी, गोभी, मटर, मूली, आइसक्रीम, अरहर जैसी ठंडी तासीर की चीजों का इस मौसम में परहेज करना चाहिए। इस मौसम में दिन में बिल्कुल भी नहीं सोना चाहिए। तुलसी, अदरक, लौंग, कालीमिर्च, छोटी पीपल, दालचीनी का प्रयोग दूध, चाय या काढ़े के रूप में दिन में दो बार करने से ठंड से बचाव होता है और इम्युनिटी में भी इजाफा होता है। रोज एक बार गर्म पानी से अवश्य नहाएं व नहाने से पूर्व सरसों या तिल के तेल को गुनगुना कर शरीर की मालिश करें। तिल, गुड़, दूध उड़द, मूंगफली आदि पोषक पदार्थों का सेवन करें। इस मौसम में जौ के बजाए ज्वार, बाजरा व मक्का का प्रयोग करें। परवल, भिंडी, करेले जैसी सब्जियां न खाएं। सरसों, बथुआ, पालक, मेथी व मसूर की दाल का प्रयोग करें। सिर, पैरों और छाती को अच्छी तरह ढक कर रखें। रात को सोने से पहले गर्म पानी में पैर सेंक कर सोएं। गर्म जुराबें व टोपी पहन कर रखें। कंपकंपी ठंड लगने का पहला लक्षण है, अत: कंपकंपी हो तो कमरे में हीटर लगाया जा सकता है लेकिन उसमें वेंटीलेशन का ध्यान अवश्य रखें। ऐसे में कमरे में 2-3 लीटर पानी अवश्य उबालें ताकि हवा में नमी बनी रहे। यदि कमरे में अंगीठी जलाएं तो ध्यान रखें कि कमरे में धुआं न भरे।

डॉ. आर.पी. पाराशर
मुख्य चिकित्सा अधिकारी
दिल्ली नगर निगम

जागरुकता

इम्युनिटी-बूस्टर पत्तियां

तुलसी की पत्तियों को लेकर किए गए शोध में पाया गया है कि रोजाना इनके सेवन से न सिर्फ आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है साथ ही ब्लड शुगर को कंट्रोल करने और तनाव जैसी स्थितियों में भी इससे लाभ मिल सकता है।

विशेषज्ञ बताते हैं, बाजार में तुलसी ड्रॉप्स भी मिलती हैं जिनका सेवन किया जा सकता है, पर ताजी पत्तियां ज्यादा लाभकारी होती हैं। आइए जानते हैं कि तुलसी से हमारी सेहत को किस-किस प्रकार के लाभ हो सकते हैं?

पारंपरिक चिकित्सा में तुलसी को रोगाणुरोधी के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है, शोध बताते हैं कि ये पत्तियां शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने में मददगार हो सकती हैं। ऐसे में कोरोना जैसे संक्रमण से बचाव के लिए इसे इम्युनिटी बूस्टर के तौर पर भी प्रयोग में लाया जा सकता है। शोधकर्ताओं ने ई.कोलाई जैसे संक्रमण के कारण होने वाली समस्याओं में भी तुलसी से लाभ पाया है।

स्ट्रेस और मानसिक स्वास्थ्य में इसके लाभ

तुलसी की पत्तियां मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हो सकती हैं। तनाव-चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं को दूर करने में तुलसी के लाभ देखे गए हैं।

काम की बात

सर्दियों में डिहाइड्रेशन को नजरअंदाज नहीं करें

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सर्दियों में आमतौर पर लोग पानी पीना कम कर देते हैं, जिसके कारण निर्जलीकरण की समस्या हो सकती है। ठंड के मौसम में, प्यास की प्रतिक्रिया भी कम हो जाती है, हालांकि शरीर को पानी की उतनी ही आवश्यकता होती है जितनी पहले थी। यह स्थिति कई प्रकार की जटिलताओं का कारण बन सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को हर मौसम में रोजाना 3-4 लीटर पानी पीते रहने की आवश्यकता होती है, सर्दियों के मौसम में भी इस मात्रा का ध्यान रखना जरूरी है। आइए जानते हैं कि ठंड के मौसम में डिहाइड्रेशन होने से किस तरह की समस्याओं का जोखिम हो सकता है?

सर्दियों में डिहाइड्रेशन

ठंड के महीनों में भी निर्जलीकरण की दिक्कत हो सकती है, यह उतना ही हानिकारक स्थिति है जितना गर्मियों में होने वाला डिहाइड्रेशन। कम तापमान में, भारी कपड़ों के वजन के नीचे शरीर को भी अधिक मेहनत करनी पड़ती है। ठंडी, शुष्क हवा में पसीना जल्दी से वाष्पित हो जाता है। इसके अलावा भी कुछ स्थितियां ठंड में डिहाइड्रेशन का कारण बन सकती हैं, जिसमें कॉफी-चाय का अधिक सेवन है। कॉफी को मूत्रवर्धक माना जाता है, जिसके कारण शरीर में पानी की कमी होने का खतरा हो सकता है।

लक्षण

ठंड के मौसम का डिहाइड्रेशन भी कई प्रकार से समस्याकारक हो सकता है। इसके लक्षणों की समय रहते पहचान जरूरी है। अधिक प्यास लगना, मुंह बार-बार सूखना, त्वचा का रूखापन, थकान और चक्कर आने जैसी स्थिति इस बात का संकेत हो सकती है कि आपके शरीर में पानी की कमी हो गई है। शरीर में पानी की कमी बने रहना कुछ स्थितियों में गंभीर रोग जैसे बुखार, मांसपेशियों में ऐंठन, त्वचा में सख्ती आदि का भी कारण बन सकती है।

सावधानियां

ठंडे मौसम के दौरान भी हाइड्रेटेड रहना महत्वपूर्ण है। पानी पीते रहने के साथ कुछ और बातों का ध्यान रखकर समस्याओं से बचे रह सकते हैं।

थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीते रहें। शारीरिक व्यायाम बाद हाइड्रेशन को ध्यान रखना और भी जरूरी हो जाता है।

आपको कब पानी पीना है इसकी एक सूची बना लें और थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीते रहें।

फल और सब्जियों का सेवन करें, इससे शरीर को पोषक तत्वों के साथ पानी भी मिलता रहता है।

कॉफी-चाय के सेवन सीमित मात्रा में करें, क्योंकि इससे निर्जलीकरण की समस्या हो सकती है।

किसी को ठंड नहीं लगती, क्यों?

जो लोग ज्यादा ठंड वाली जगह पर रहते हैं उनका शरीर उसी हिसाब से खुद को एडजस्ट कर लेता है। इसे ऐसे समझें, दिल्ली में रहने वाले को 2 डिग्री सेल्सियस टेम्प्रेचर में ठंड लगती है। अगर वह व्यक्ति भोपाल आएगा तो यहां 10 डिग्री में उसे ठंड नहीं लगेगी। इसी तरह भोपाल में रहने वाले को 10 डिग्री में काफी ठंड लगेगी और संभव है कि वह स्वेटर, कोट और टोपी पहने दिखे। कई लोग अपनी हैबिट्स की वजह से ठंड महसूस नहीं करते। जैसे कुछ लोग सर्दियों में भी सुबह ठंडे पानी से नहाने के बावजूद बीमार नहीं पड़ते। मगर गर्म पानी से नहाने वाले एक दिन अचानक ठंडे से नहाएंगे तो बीमार हो जाएंगे।

फिजिकल एक्टिविटी- रोजाना फिजिकल एक्टिविटी करने वालों का मेटाबॉलिज्म अच्छा होता है। इसलिए ऐसे लोगों को ठंड ज्यादा नहीं लगती है। जैसे भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी रोजाना कई किलोमीटर वॉक करते हैं। इस रेगुलर एक्सरसाइज की वजह से संभव है कि उनकी फिजिकल फिटनेस अच्छी हो गई है। इसलिए ठंड नहीं लगती। ऐसा कई स्पोर्टर्सपर्सन के साथ भी होता है।

हाइट कम तो ठंड लगेगी कम- बेक की लावल यूनिवर्सिटी के रिसर्चर जैकस ली ब्लैंक के अनुसार ठंड लगने या न लगने का सीधा संबंध हमारी शारीरिक बनावट से है। छोटे कद के लोगों की मसल्स से एन्वायर्नमेंट में कम हीट यानी गर्माहट रिलीज होती है। वहीं लंबे कद के लोगों की मसल्स से ज्यादा हीट एन्वायर्नमेंट में रिलीज होती है। इस वजह से छोटे कद के लोगों को कम ठंड लगती है।

बॉडी फैट का असर- हमारा बॉडी फैट भी हमें ठंड से बचाता है। स्किन के नीचे मौजूद बॉडी फैट एक इंसुलेटर का काम करता है। इससे शरीर की गर्माहट बाहर नहीं निकल पाती।

एल्फा एक्टिनिक प्रोटीन की कमी से बढ़ जाती है ठंड झेलने की शक्ति- अमेरिकन जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स में छपी एक स्टडी में भी इस मिस्ट्री के बारे में बताया गया है। इसमें कहा गया कि जिन लोगों के मसल फाइबर में एल्फा एक्टिनिक 3 नाम का प्रोटीन कम होता है, उन लोगों में ठंड झेलने की शक्ति बाकी लोगों से बेहतर होती है।

नर्व डैमेज- सर्दी या गर्मी महसूस करने में हमारे नर्वस सिस्टम का अहम रोल होता है। ऐसे में अगर नर्व पाथ-वे यानी नसों का वो रास्ता जिससे सिग्नल ब्रेन को जाता है उसमें कोई डैमेज हो जाए या ब्रेन में कोई इंजरी हो या ब्रेन स्ट्रोक हो जाए, तो सर्दी या गर्मी महसूस नहीं होती है।

कोंजिनेंटल इंसेंसिटिविटी- यह कंडीशन जन्म से ही होती है। यह एक बहुत रेयर कंडीशन है। इसमें पेशेंट को इंजरी होने पर भी दर्द का अहसास नहीं होता। साथ ही कुछ कंडीशन में सर्दी और गर्मी का अहसास भी नहीं हो पाता।

हाइपरथायराइडिज्म- जब थायराइड हार्मोन ज्यादा रिलीज होने लगता है तो इस कंडीशन को हाईपरथायराइडिज्म कहते हैं। इससे शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ जाता है। जिससे गर्मी ज्यादा लगती है और ठंड का एहसास नहीं होता।

डाइट में यह बदलाव कर दिल को रखें हेल्दी

इलेक्ट्रिक सिग्नल हमारे दिल की धड़कनों को कंट्रोल करने का काम करता है। जब या कुछ देर या फिर पूरी तरह से बंद हो जाता है। तो इसको हार्ट ब्लॉकेज कहा जाता है। इस स्थिति में दिल की धड़कनें काफी धीमी हो जाती हैं। या फिर दिल धड़कना बंद कर देता है। ऐसा होने पर हमारा शरीर सही तरह से ब्लड को पंप नहीं कर पाता है। इस स्थिति में बेहोशी, थकान, चक्कर आना और सांस लेने में तकलीफ होती है।

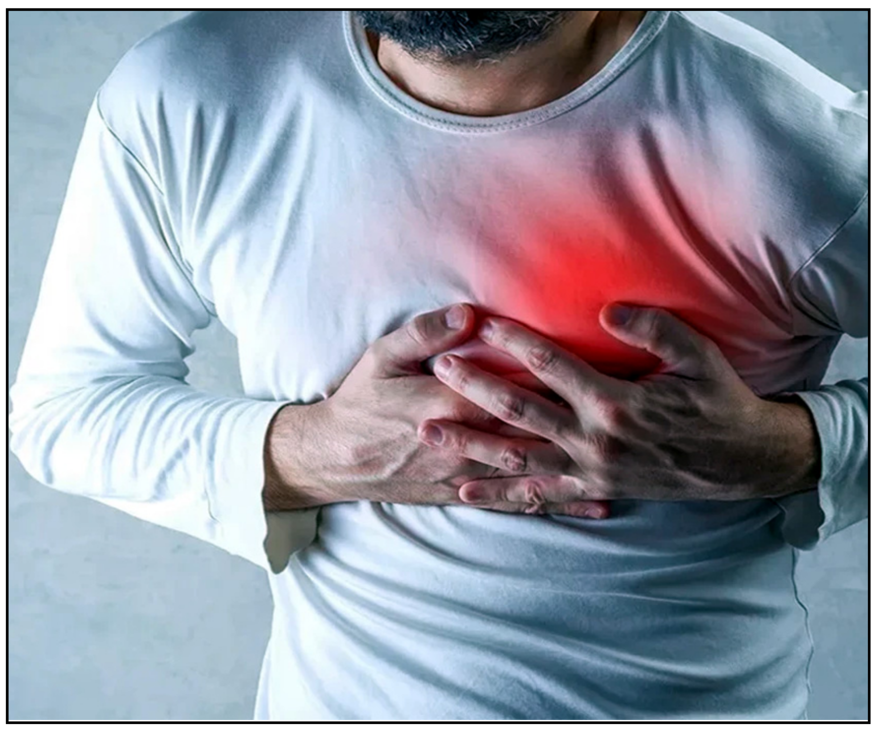

किसी भी व्यक्ति के लिए हार्ट ब्लॉकेज होना बहुत खतरनाक हो सकता है। इसके कारण व्यक्ति की जान भी जा सकती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के लोगों को हार्ट ब्लॉकेज की समस्या का ज्यादा खतरा होता है। साथ ही इसके बचाव के क्या उपाय हैं।

जानिए क्या है हार्ट ब्लॉकेज

हार्ट ब्लॉकेज का मतलब होता है कि दिल के इलेक्ट्रिकल सिस्टम में समस्या का होना। क्योंकि आपके दिल की ध ?कनों की गति को कंट्रोल करने का काम हार्ट का इलेक्ट्रिकल सिस्टम करता है। इस कंडीशन को एट्रियोवेंट्रिकुलर (एवी) या कंडक्शन डिसऑर्डर कहा जाता है।

हार्ट ब्लॉकेज का किसे अधिक खतरा

अगर किसी व्यक्ति का वजन काफी ज्यादा है, तो उस व्यक्ति को हार्ट ब्लॉकेज का अधिक खतरा होता है। क्योंकि एक्स्ट्रा वेट होने के कारण धमनियों यानी ब्लड वेसल्स में फैट जमा हो जाता है। कई बार यह फैट इतनी अधिक मात्रा में जमा हो जाता है, जिससे हार्ट ब्लॉकेज की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इसके कारण यह हार्ट अटैक का भी खतरा होता है।

एक वेबसाइट के अनुसार, हृदय की मांसपेशियों में सजून होने की वजह से भी हार्ट ब्लॉकेज का रिस्क बढ़ जाता है। सूजन की समस्या होने पर ब्लड फ्लो में दिक्कत होती है। हांलाकि यह भी हो सकता है कि लेफ्ट एट्रियम और बाएं वेंट्रिकल (माइट्रल वाल्व) के बीच का वाल्व सही से बंद न हो। जिसके कारण ब्लड उल्टी दिशा में लेफ्ट एट्रियम की तरफ वापस आने लगता है।

हार्ट ब्लॉकेज की एक वजह हार्ट फेलियर भी हो सकता है। कई बार हार्ट मसल्स बहुत ज्यादा मोटी हो जाने की वजह से हार्ट में ब्लड भरने लगता है। इस स्थिति में शरीर को पर्याप्त मात्रा में ब्लड मिल सकता है। लेकिन इस स्थिति में सुधार न होने पर यह हार्ट ब्लॉकेज की समस्या उत्पन्न हो सकता है। ऐसे में व्यक्ति की जान जोखिम में पड़ सकती है।

हार्ट डिजीज के रिस्क को ऐसे करें कम

हार्ट डिजीज की वजह से हार्ट ब्लॉकेज का रिस्क ज्यादा होता है। इसको कंट्रोल करने के लिए हार्ट डिजीज के खतरे को कंट्रोल में करने का प्रयास करना चाहिए। इसके खतरे को कम करने के लिए आप नीचे बताए गए टिप्स भी अपना सकते हैं।

हेल्दी डाइट लेनी चाहिए। हेल्दी डाइट में आप लो फैट, हाई फाइबर और ज्यादा से ज्यादा फल व सब्जियां शामिल करें।

हार्ट ब्लॉकेज के खतरे को कम करने के लिए फिजिकली एक्टिव रहना चाहिए और एक ही जगह पर घंटों बैठकर काम न करें। अगर आप डेस्क जॉब करते हैं, तो रोजाना एक्सरसाइज जरूर करें।

वेट को कंट्रोल में रखना चाहिए। ओवर वेट और नशीले पदार्थों के सेवन से बचना चाहिए।

इसके अलावा हार्ट ब्लॉकेज के खतरे को कम करने के लिए बीपी और डायबिटीज को कंट्रोल में करना चाहिए। क्योंकि इससे हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ सकता है।

डिस्क्लेमर : इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

- अनन्या मिश्रा

सलमान खान के सामने कबूल की यह बात

मुनव्वर को पसंद करती है मनारा, किया प्यार का इजहार

सलमान खान होस्टेड रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 17 में आयशा खान की एंट्री होते ही जैसे मुनव्वर फारुकी और मन्नारा चोपड़ा की दोस्ती को ग्रहण सा लग गया। आयशा खान की एंट्री के साथ ही मुनव्वर फारुकी शो के सबसे चर्चित कंटेस्टेंट बन गए। हर कोई उनकी पर्सनल लाइफ में चल रही उठापटक के बारे में अपडेट करना चाहता था। आयशा चाहती थीं कि नेशनल टेलीविजन पर मुनव्वर उनसे माफी मांगें। इस बीच मन्नारा कई बार आयशा खान से झगड़ लीं और इसमें मुनव्वर भी कुछ मौकों पर बीच में आ गए।

आयशा क्यों करती हैं मन्नारा से बातचीत?

सलमान खान ने जब घरवालों से बातचीत की तो सेंटर स्टेज में मुनव्वर फारुकी का रिलेशनशिप स्टेटस ही रहा। एक तरफ जहां सलमान खान ने आयशा खान को उनके रवैये के लिए लताड़ा और कहा कि वह आखिर क्यों मुनव्वर के पीठ पीछे जाकर मन्नारा चोपड़ा से बात करने की कोशिश करती हैं। सलमान खान ने मुनव्वर फारुकी को भी ट्रैक पर लाने की कोशिश की और मन्नारा चोपड़ा से भी बातचीत की।

सलमान खान के सवालों में फंसीं मन्नारा?

बिग बॉस सीजन 17 में मन्नारा चोपड़ा को कई बार गाइड कर चुके सलमान खान ने उनसे कहा, अगर तुम्हें मुनव्वर पसंद है तो है। और मन्नारा ने जवाब दिया, हां। तब समर्थ जुरियल और ईशा मालवीय ने मन्नारा से पूछा कि क्या वह मुनव्वर को पसंद करती है? तो जवाब में उन्होंने कहा कि उस तरह नहीं। तब सलमान खान ने कहा कि हर किसी को दिख रहा है कि वो मुनव्वर को पसंद करती है।

मुनव्वर को पसंद करती हैं मन्नारा चोपड़ा?

अंकिता लोखंडे ने सलमान खान की बात पर सहमति जताते हुए हां में सिर हिलाया। सलमान खान ने कहा कि वह समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर क्यों वो जबरन की वजहें देकर इन सवालों से बचने की कोशिश कर रही है। तब मन्नारा चोपड़ा ने स्वीकार किया और कहा, एक मोमेंट ऐसा था जब मैं भी समझ नहीं पा रही थी कि मुझे क्या हो रहा है। काफी देर तक चली बातचीत में जब मन्नारा को चारों तरफ से घेरा गया तो उन्होंने माना कि वह मुनव्वर को पसंद करती हैं, हालांकि वह इस बात पर राजी नहीं हुईं कि वो उनसे प्यार करती हैं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी संग इंटीमेट सीन करके पछतावा हुआ

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पॉपुलर वेब सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' हिटी सीरीज में से एक रही है। इसमें सभी एक्टर्स की एक्टिंग को काफी पसंद किया गया है फिर चाहे वो नवाजुद्दीन सिद्दीकी रहे हों या फिर सैफ अली खान। फिल्म में कई इंटीमेट सीन भी फिल्माए गए हैं, जिसमें से एक नवाज और 41 साल की एक्ट्रेस राजश्री देशपांडे पर था। इस वेब शो में इंटीमेट सीन करने के बाद एक्ट्रेस को 'पोर्न एक्टर' का टैग मिल गया गया था। ऐसे में अब राजश्री ने इस पूरे मामले पर रिएक्शन दिया है। उन्हें इस पर पछतावा हुआ है। दरअसल, राजश्री देशपांडे ने हाल ही में जूम के साथ खास बातचीत की और इस दौरान उन्होंने इंटीमेट सीन्स और लोगों के द्वारा की गई गलत हरकत पर रिएक्शन दिया गया। उन्होंने कहा कि 'सेक्रेड गेम्स' में उनके इंटीमेट सीन्स सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए थे। उनके सीन्स ना केवल वायरल हुए थे बल्कि उनके साथ छेड़छाड़ भी की गई थी और फिर उन्हें इंटरनेट पर शेयर किया गया था। एक्ट्रेस ने बताया कि इसके बाद उन्हें वैसी ही फिल्में ऑफर होने लगी थी। उन्हें लेकर कई कहानियां भी लिखी गईं।

अनुराग कश्यप-नवाजुद्दीन सिद्दीकी से नहीं किया सवाल- राजश्री

राजश्री देशपांडे ने इन सब मामलों को लेकर कहा कि उन्होंने ही केवल ये सीन शूट नहीं किया था। बल्कि उसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी शामिल थे। उन्होंने आगे कहा कि इसे डायरेक्टर अनुराग कश्यप डीओपी में शामिल थे। उनसे किसी ने भी कुछ नहीं पूछा। एक्ट्रेस का मानना है कि किसी ने भी उन लोगों से नहीं पूछा कि उन्होंने इस सीन को क्यों शूट किया? या फिर एडिटर से नहीं कहा गया कि इस पर कट लगा देना चाहिए था। वो कहती हैं कि जो कुछ भी उस पर रोना नहीं चाहती हैं। बल्कि वो इस सीन को करने के दौरान कंफर्टेबल रहीं। उन्हें इस बात की खुशी है कि उन्हंने सीरीज में सुभद्रा का रोल प्ले किया था। राजश्री ने सोसायटी पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारी सोसायटी में सबसे दुर्भाग्य की बात यही है कि यहां पीरियड्स तक पर बात नहीं की जाती। फिर सेक्स को तो भूल ही जाएं।

राजश्री देशपांडे की प्रोफेशनल लाइफ

बहरहाल, अगर राजश्री देशपांडे के बारे में बात की जाए तो वो महाराष्ट्र से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'तलाश' में एक छोटी सी भूमिका निभाकर की थी। बाद में वो टीवी में चली गई थी। इसमें 'कुछ तो लोग कहेंगे' और '24 इंडिया' जैसे शोज शामिल हैं। इतना ही नहीं वो सलमान खान की 'किक' में भी छोटी सी भूमिका में दिखाई दे चुकी हैं। इसके अलावा भी एक्ट्रेस कई प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं।

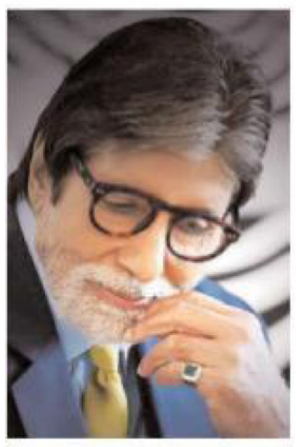

अमिताभ बच्चन ने किराए पर दिया अपना ओशिवारा वाला ऑफिस, अब घर बैठे करोड़ों कमाएंगे बिग बी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन अपनी पहचान के लिए किसी परिचय के मोहताज नही हैं। फिल्मों में एक्टिंग के अलावा वह अपनी वसीयत को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहते हैं। अब हाल ही में खबर सामने आई है कि अमिताभ ने अपना मुंबई में ओशिवारा वाला ऑफिस रेंट पर दे दिया है। वही प्रॉपर्टी जिसे उन्होंने इसी साल खरीदा था। अब ऐसे में इस ऑफिस के रेंट से वह करोड़ों रुपए कमाएंगे। मेगास्टार अमिताभ बच्चन अपनी पहचान के लिए किसी परिचय के मोहताज नही हैं। फिल्मों में एक्टिंग के अलावा वह अपनी वसीयत को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहते हैं। अब हाल ही में खबर सामने आई है कि अमिताभ ने अपना मुंबई में ओशिवारा वाला ऑफिस रेंट पर दे दिया है।

वही प्रॉपर्टी जिसे उन्होंने इसी साल खरीदा था। अब ऐसे में इस ऑफिस के रेंट से वह करोड़ों रुपए कमाएंगे। बताया जा रहा है कि अमिताभ बच्चन का ये ऑफिस करीब 10 हजार वर्ग फीट का है। एक्टर ने ये प्रॉपर्टी वार्नर म्यूजिक इंडिया लिमिटेड को 2.07 करोड़ रुपये के सालाना किराए पर 5 साल के लिए रेंट पर दी है। किराए के अलावा उन्होंने 1.03 करोड़ रुपए सिक्योरिटी के तौर पर लिए हैं। बता दें कि अमिताभ बच्चन ने इस प्रॉपर्टी को इसी साल अगस्त में 7.18 करोड़ रुपये में खरीदा था। जब एक्टर ने ये प्रॉपर्टी खरीदी थी तो उन्होंने इसके लिए नवंबर में 2.88 लाख रुपए की स्टैम्प ड्यूटी भी चुकाई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमिताभ बच्चन 3,190 करोड़ की प्रॉपर्टी के मालिक हैं। उनके पास कई आलीशान बंगले हैं। हाल ही में उन्होंने अपना प्रतीक्षा नामक बंगला अपनी बेटी श्वेता के नाम कर दिया था।

गीतकार जावेद अख्तर ने रचा इतिहास, डंकी के एक गाने के लिए ली इतनी मोटी रकम

इस साल सुपरस्टार शाहरुख खान की तीन फिल्में रिलीज हुईं। एक के बाद एक दो ब्लॉकबस्टर देने के बाद किंग खान की हालिया रिलीज डंकी भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी के साथ-साथ इसके गाने भी लोगों को खूब भा रहे हैं। इस लिस्ट सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला गाना निकले थे कभी हम घर से है, जो फिल्म के सबसे आखिर आता है। इस गाने को दिग्गज गीतकार जावेद अख्तर ने लिखा है, लेकिन क्या आप जानते हैं?

इसे लिखने के लिए उन्होंने कितने पैसे लिए। चलिए हम आपको बताते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म डंकी के निकले थे कभी हम घर से गाने को लिखने के लिए जावेद अख्तर ने जितने पैसे चार्ज किए, वो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। आज तक हिंदी सिनेमा किसी भी गीतकार को सिर्फ एक गाने को लिखने के लिए इतने पैसे नहीं मिले। बताया जा रहा है कि उन्होंने इसे लिखने के लिए 25 लाख रुपये लिए। वहीं, चर्चा ये भी है कि शुरुआत में जावेद अख्तर ने राजकुमार हिरानी के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था, लेकिन बाद में कुछ शर्तों के बाद इस गाने को लिखने के लिए तैयार हुए।

हाल ही में गीतकार जावेद अख्तर ने एक शो में खुलासा किया कि वे इसे गाने को लिखने के लिए क्यों तैयार हुए। उन्होंने कहा, मैं आमतौर पर फिल्म में सिर्फ एक गाना नहीं लिखता। राजू हिरानी साहब ने मुझसे सिर्फ एक गाने के बोल लिखने को कहा। मैंने मना कर दिया, लेकिन उन्होंने जोर दिया और कहा, ये गाना आपके अलावा कोई नहीं लिख सकता। इसके बाद मैंने उनेके सामने कुछ शर्तें रखीं और फिर इसे लिखा। जावेद अख्तर ने आगे कहा, बिना पलक झपकाए वे उन शर्तों को मान गए। ये मेरा कमाल नहीं है, ये कमाल है राजू हिरानी का, जिनके पीछे 5 सुपर-डुपर हिट फिल्में थीं, उसको समझ थी कि ये गाना मुझे इस आदमी से मिलेगा। अहंकार उन पर हावी नहीं हो रहा था, बल्कि अपनी फिल्म के प्रति उनका प्यार उन पर हावी था। उन्हें सलाम है! वहीं, एक साक्षात्कार में राजू हिरानी ने पहली बार एक लव स्टोरी लिखने के बारे में बात की।

उन्होंने कहा, फिल्म में शाहरुख की मुख्य भूमिका में होने के कारण मुझे नहीं लगता कि आप इससे बच सकते हैं। डंकी शुरुआत में गैरकानूनी रूप से विदेश जाने वाले लोगों के बारे में थी, लेकिन जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ने लगी तो यह एक प्रेम कहानी बन गई। क्योंकि, हमें फिल्म में 25 साल का सफर दिखाना था कि जब लोग अलग हो जाते हैं, तो उनका क्या होता है। इस तरह यह फिल्म एक लव स्टोरी बन गई। हालांकि, यह इसका मकसद नहीं था।

रणबीर की एनिमल ने हासिल किया खास मुकाम

रणबीर कपूर की इस फिल्म ने शाहरूख खान की पठान को कमाई के मामले में पछाड़ दिया है। पठान की कुल कमाई 543. 09 है। वहीं, एनिमल ने अब तक 543. 22 करोड़ की कमाई कर ली है। रणबीर कपूर की एनिमल ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। फिल्म ने कमाई के मामले में अब पठान को पीछे छोड़ दिया है। रिलीज से पहले किसी ने भी यह सोचा नहीं था कि ए सर्टिफिकेट वाली फिल्म इतनी बड़ी हिट हो जाएगी। जिस दिन एनिमल रिलीज हुई थी, उसी दिन बॉक्स ऑफिस पर विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर ने भी सिनेमाघरों में दस्तक दी थी, लेकिन एनिमल की आंधी के सामने कोई भी फिल्म टिक नहीं पाई।

पठान को पछाड़ नंबर दो पर पहुंची एनिमल

एनिमल अपनी रिलीज के 30 दिन बाद साल 2023 की दूसरी सबसे बड़ी हिट बन चुकी है। रणबीर कपूर की यह फिल्म शाहरूख खान की पठान को कमाई के मामले में आगे निकल चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पठान की कुल कमाई 543. 09 है। वहीं, एनिमल ने अब तक 543. 22 करोड़ की कमाई कर ली है। कलेक्शन के मामले में यह अब बस शाहरुख खान की जवान से पीछे है।

जवान अब भी 640 करोड़ की कमाई के साथ नंबर वन पर बनी हुई है। जवान में शाहरुख खान के साथ साउथ स्टार नयनतारा नजर आई थीं। इस फिल्म में देशभक्ति के एक अलग रंग को दिखाया गया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था।

एनिमल के सभी स्टार्स की किस्मत चमकी

फिल्म एनिमल में जहां रणबीर कपूर के अलावा रश्मिका मंदाना की मुख्य भूमिका थी वहीं, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी भी छोटे-छोटे रोल में दिखाई दिए थे। इस फिल्म ने बॉबी देओल को एक नई पहचान दिलाई है। लोग उन्हें लार्ड बॉबी के नाम से जानने लगे हैं। एनिमल में तृप्ति डिमरी का भी किरदार बेहद छोटा था, लेकिन फिल्म के रिलीज के बाद उनको नेशनल क्रश कहा जाने लगा है। सोशल मीडिया पर भी उनके फॉलोवर्स की संख्या काफी बढ़ गयी है। एनिमल को संदीप रेड्डी वांगा ने निर्देशित किया है और ये उनकी दूसरी हिंदी फिल्म है। इस फिल्म से पहले उन्होंने कबीर सिंह को डायरेक्ट किया था। वह फिल्म भी सुपरहिट साबित हुई थी।

जब लेडी गागा ने चंकी पांडे की रिक्वेस्ट पर अनन्या पांडे के लिए गाया गाना, देखकर हैरान रह गए थे सब

पॉप सिंगर लेडी गागा ने एक बार अनन्या पांडे के लिए गाना गाया था और बर्थडे विश किया था। चंकी पांडे ने बताया था कि उन्होंने लेडी गागा को बताया था कि उनकी बेटी अनन्या का बर्थडे है। लेडी गागा की दुनिया के कोने-कोने में तगड़ी फैन फॉलोइंग है और वह इंडिया भी आ चुकी हैं। क्या आप सोच सकते हैं कि पॉप सिंगर लेडी गागा कभी चंकी पांडे की बेटी और एक्ट्रेस अनन्या पांडे के लिए गाना गाएंगी? शायद नहीं, पर ऐसा हो चुका है। लेडी गागा ने एक बार चंकी पांडे की रिक्वेस्ट पर अनन्या पांडे के लिए गाना गाया था, और यह देखकर सब हैरान रह गए थे। चंकी पांडे ने पूरी कहानी एक किताब में बताई थी। इसके अलावा शो केस तो बनता है में भी उन्होंने इसका जिक्र किया था।

एक बार जब इंडिया आई थीं, तो वह बेटी अनन्या के साथ दिल्ली गए थे। तब अनन्या का बर्थडे था। वहां लेडी गागा परफॉर्म कर रही थीं। लेडी गागा को देखते ही चंकी पांडे उनके पास गए और बताया कि अनन्या का बर्थडे है।

तब लेडी गागा ने न सिर्फ अनन्या पांडे को बर्थडे विश किया, बल्कि उनके लिए गाना भी गाया। यह देख सब हैरान रह गए थे। अनन्या भी हैरान थीं, क्योंकि उनके लिए तो यह एक खूबसूरत सरप्राइज था।

कौन हैं लेडी गागा?

लेडी गागा को दुनिया की सबसे बड़ी पॉप स्टार माना जाता है। दुनियाभर में उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। इंडिया में भी उनके खूब फैंस हैं। लेडी गागा एक सिंगर ही नहीं, बल्कि एक्ट्रेस भी हैं और कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

ये तो घमंडी है, पार्टियों में न जाने पर सनी देओल को घमंडी समझने लगे थे लोग, एक्टर ने बताया क्यों बनाई दूरी

सनी देओल ने बताया कि पार्टियों में न जाने पर लोग उन्हें घमंडी समझने लगे, बाते बनाने लगे। सनी देओल ने बताया कि वह किस कारण पार्टियों में नहीं जाते और क्यों दूरी बनाकर रखते हैं। सनी देओल ने आजकल फिल्मों के होने वाले प्रमोशन पर भी बात की और नाखुशी जाहिर की।

गदर 2 से 2023 में जबरदस्त कमबैक करने वाले सनी देओल कई दशकों से बॉलीवुड का हिस्सा हैं, पर वह पार्टियों और अवॉर्ड फंक्शन में बहुत ही कम जाते हैं। सनी देओल ने हाल ही दिए एक इंटरव्यू में बताया कि वह पार्टियों में बहुत कम क्यों जाते हैं। साथ ही उस वक्त के बारे में भी बात की, जब लोग उन्हें इस कारण घमंडी समझने लगे थे। 1983 में फिल्म बेताब से एक्टिंग डेब्यू किया था, और तबसे लेकर अब तक उन्हें इंडस्ट्री में 40 साल हो चुके हैं। इतने लंबे वक्त तक उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री की पार्टियों से दूरी बनाए रखी। इसकी क्या वजह थी, यह भी सनी देओल ने बताया है।

सनी देओल ने बताई पार्टियों की दूरी की वजह

सनी देओल ने कहा, मुझे लोगों से मिलना पसंद है। मैं वहां जाता हूं, जहां मैं अपने लोगों और फैंस से मिल पाता हूं। यह मुझे अच्छा लगता है। मैं जल्दी उठने वाले लोगों में से हूं। इसलिए मैं ऐसा नहीं हूं, जो पार्टियों में जाए। मैं पहले भी शायद ही कभी पार्टियों में जाता था। लोगों को लगता था कि ये घमंडी और अक्खड़ है। लेकिन फिर लोगों को धीरे-धीरे समझ आ गया कि ये शरमाता है। आना नहीं चाहता ये।

सनी देओल को अब नहीं बुलाता कोई

सनी देओल ने आगे कहा, ये पीता नहीं है। इसे पता नहीं है कि क्या करना है और इसलिए पार्टियों में नहीं आता। फिर सब लोग समझ गए तो मुझे कभी किसी ने नहीं बुलाया। वो जानते हैं कि ये नहीं आने वाला है।

सभी को गरीबों की मदद करनी चाहिए: डा. लोकेश एम

एनईए ने नववर्ष पर जरूरतमंदों को बांटे कम्बल

नोएडा (चेतना मंच)। सोमवार को नववर्ष के शुभ अवसर पर नोएडा एम्प्लाइज एसोसिएशन ने सेक्टर-16,17 एवं 18 स्थित झुग्गियों में प्राधिकरण के मुखिया मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम के आह्वान पर कम्बल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम मे कंबल वितरण के दौरान मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम ने कहा कि हर किसी को आगे आकर गरीबों की मदद करनी चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि गरीब लोगों का सर्दी से बचाव हो सके। एसोसिएशन अध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि शीत लहर के मद्देनजर जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किए।

इस दौरान अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी, उपमहाप्रबंधक विजय कुमार रावल, एसोसिएशन अध्यक्ष चौ. राजकुमार सिंह, महासचिव जितेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, वीरपाल, सचिन, नीरज राणा, अमित कुमार, कोषाध्यक्ष सुभाष चंद्र आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

स्क्रैप माफिया समेत पांच ने किया युवती से गैंगरेप, तीन गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक युवती को नौकरी दिलाने के बहाने एक स्क्रैप माफिया और उसके कई साथियों ने हथियारों के बल पर गैंगरेप किया और जान से मारने की धमकी दी। नोएडा की थाना 39 पुलिस ने पीड़ित युवती की शिकायत पर नोएडा के स्क्रैप माफिया समेत पाच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। रविवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया, जबकि मुख्य आरोपी तथा एक अन्य फरार बताए जा रहे हैं।

मामला नोएडा के थाना सेक्टर में 39 क्षेत्र का है और 19 जून 2023 का है। थाने में दर्ज एफआइआर में पीड़ित युवती ने बताया। वह नौकरी की तलाश कर रही थी कि इसी दौरान उसकी मुलाकात राजकुमार नामक व्यक्ति से हुई। नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवती को उसके सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों के साथ बरौला गांव में बुलाया गया, जहां पर राजकुमार और उसका साथी महेमी मिले। दोनों ने कहा बताया कि रवि उनके बॉस हैं और रवि ही नौकरी देंगे। आरोप है कि 19 जून को राजकुमार और महेमी युवती को कार से गार्डन गैलेरिया मॉल में ले गए, जहां पर तीन और लड़के आ गए। तीनों का परिचय रवि, आजाद और विकास के रूप में करवाया गया। सभी के हाथों में हथियार थे।

आरोप है कि रवि ने गाड़ी में युवती से दुष्कर्म किया। इस दौरान वीडियो भी बना लिया। विरोध करने पर आरोपियों ने घटना का वीडियो वायरल करने तथा जान से मारने की धमकी दी। जिससे वह सहम गई। इसके बाद भी जब आरोपियों ने पीड़िता को ब्लैकमेल और परेशान करना बंद नहीं किया तो 30 दिसंबर को उसने मामले की शिकायत पुलिस से की।

नोएडा के एडीसीपी मनीष मिश्रा ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। रविवार को तीन आरोपियों राजकुमार, आजाद और विकास को गिरफ्तार कर लिया, जबकि मुख्य आरोपी रवि और महेमी फरार हैं। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित करके सर्च आपरेशन चलाया जा रहा है।

डीएम मनीष कुमार ने गरीबों को बांटे कंबल

नोएडा (चेतना मंच)। नववर्ष 2024 के अवसर पर उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल की कार्यकारिणी की ओर से सोमवार को नोएडा के सेक्टर 41 स्थित शनि मंदिर के बाहर विशाल कंबल वितरण एवं भंडारे का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि नोएडा के डीएम मनीष कुमार वर्मा ने अपने हाथों से गरीबों को कंबल और भंडारे में प्रसाद का वितरण किया।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि सोमवार को नववर्ष के अवसर के पर उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल द्वारा 1111 कंबल वितरण और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर शिंकजा, 15 वाहन सीज, 123 का चालान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा कमिश्नरेट पुलिस द्वारा शराब पीकर सड़कों पर वाहन चलाने वाले शराबी वाहन चालकों के खिलाफ जबरदस्त अभियान चलाया जा रहा है। नोएडा पुलिस ने शराब का सेवन कर वाहन चलाने वाले 123 चालकों और कार यूजर्स का चालान काटा है, जबकि 15 वाहनों को सीज कर दिया गया है।

नोएडा की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए नोएडा कमिश्नरेट में 16 दिसंबर से 31 दिसंबर 2023 तक यातायात पुलिस व नागरिक पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के विरूद्ध संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाया गया। इसी क्रम में नववर्ष की पूर्व संध्या पर 31 दिसंबर 2023 को नोएडा व ग्रेटर नोएडा समेत 40 स्थानों पर संयुक्त टीम बनाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध चैकिंग की गई। इस अभियान के दौरान 2485 वाहन चालकों को चेक किया गया जिसमें 138 वाहन चालक नशे की स्थिति में पाये जाने पर 15 वाहनों को सीज कर दिया गया जबकि 123 वाहन चालकों के विरूद्ध ई-चालान की कार्रवाई की गई।

नए साल के पहले दिन यानि 1 जनवरी को को सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत यातायात पुलिस की रोड सेफ्टी सैल द्वारा सहायक पुलिस आयुक्त यातायात द्वितीय के पर्यवेक्षण में कस्बा जेवर के गणमान्य व्यक्ति, आमजनों व वाहन चालकों को कोहरे के कारण सड़क दुर्घटना से बचाव व यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया।

गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के न्यूज़ लेटर का लोकार्पण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में नव वर्ष के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा विश्वविद्यालय की गतिविधियों को रेखांकित करने लिए विश्वविद्यालय की 'जीबीयू न्यूज़ लेटर' का लोकार्पण किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति ने नव वर्ष की शुभकामनाएँ देते हुए 'जीबीयू न्यूज़ लेटर' के लोकार्पण में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह न्यूज़ लेटर विश्वविद्यालय की प्रगति एवं उपलब्धियों को रेखांकित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम है । प्राय: विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ सबकी नज़रों में नहीं आ पाती हैं, न्यूज़ लेटर के माध्यम से अब समस्त गतिविधियों एवं उपलब्धियों को एक साथ देखा जा सकता है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ विश्वास त्रिपाठी एवं शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. पी मलकानिया ने इस कदम की सराहना की। न्यूज़ लेटर की प्रधान संपादिका प्रो. वंदना पाण्डेय ने टीम की कार्य पद्धति पर भरोसा जताया कि भविष्य में यह टीम अपने लक्ष्य में सफल होंगे।

'जीबीयू न्यूज़ लेटर' के प्रमुख संरक्षक कुलपति प्रो.रवीन्द्र कुमार सिंहा, संरक्षक डॉ विश्वास त्रिपाठी, मुख्य संपादक प्रो. वंदना पाण्डेय, अंग्रेजी प्रभाग की संपादिका डॉ. बिपाशा सोम तथा हिन्दी प्रभाग की संपादक डॉ. रेनू यादव, डिजाइनिंग राजकुमार, शिक्षणेत्तर सहयोगी अमित हैं।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेनू यादव ने किया तथा डॉ. मनमोहन सिसोदिया, डी.एस.ए. जीबीयू के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने दिया गुरूजनों को न्यू ईयर गिफ्ट

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले अध्यापकों (गुरूजनों) को न्यू ईयर का गिफ्ट दिया है। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद ने आदेश कर दिया है। इस आदेश के मुताबिक जनवरी महीने में ही शिक्षकों के अंर्तजनपदीय तथा जिलों के अंदर तबादले हो जाएंगे। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव प्रताप सिंह बघेल ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के अध्यापकों की नई तबादला नीति जारी कर दी गयी है।

उत्तर प्रदेश के सरकारी अध्यापकों के तबादले (ट्रांसफर) का सिलसिला 6 जनवरी से शुरू हो जाएगा। इस कड़ी में जिले के अंदर ही एक स्कूल से दूसरे स्कूल में तथा एक जिले के स्कूल से दूसरे जिले के स्कूल में तबादलों का काम 11 से 13 जनवरी के बीच पूरा कर लिया जाएगा। 11 से 13 जनवरी 2024 के बीच उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों के तबादले हो जाएंगे। इसी दौरान नए पद से रिलीविंग तथा नई ज्वाइनिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार ने सरकारी अध्यापकों के प्रमोशन का आदेश भी जारी कर दिया है। उत्तर प्रदेश में वर्ष-2016 से सरकारी अध्यापकों की पदोन्नति (प्रमोशन) नहीं हुई है। अब उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद ने सरकारी अध्यापकों के प्रमोशन का आदेश दे दिया है। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव प्रताप सिंह बघेल ने बताया कि अध्यापकों के प्रमोशन का काम शुरू कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश के सरकारी अध्यापकों का प्रमोशन यूपी अध्यापक सेवा नियमावली 1981 के अनुसार किया जाएगा।

सुंदरकांड व हनुमान चालीसा पाठ

रजत विहार सेक्टर-62

नोएडा (चेतना मंच)। रजत विहार, सी ब्लॉक, सेक्टर-62 के शिव शक्ति मंदिर में श्री सुन्दर कांड और हनुमान चालीसा का पाठ तथा श्री राम के भजन संध्या का आयोजन हुआ।

पं. घनश्यामचार्य चतुर्वेदी ने आरडब्ल्यूए और टीम के सदस्यों व निवासियों और उनके परिवारों द्वारा पूजन कराया और फिर संगीतमय सुन्दर कांड के पाठ का आरंभ हुआ। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राजीव शर्मा ने सभी निवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में श्री राम भक्त दिनेश सिंह, महेश सिंह, रोली शर्मा, सुब्रत मोहाकूद, महेंद्र ध्यानी, रोहित शर्मा, उर्मिला बिष्ट, गिन्नी झा, नेहा, अमित कुमार, अवनीश बाजपेई, आशुतोष वर्मा, राकेश दीक्षित, शक्ति सिंह, जितेन्द्र अवस्थी, अश्विनी सिन्हा, नवनीत पुरवार, शीतल भाटी, मनोज भंडारी, रश्मि रैना, बीजू थॉमस, अरुण गौड़, चिंतामणी रस्तोगी, अनिल भट्ट, के. ऐस. अनिल इत्यादि अन्य आर डब्ल्यू व डायनामिक टीम मेंबर्स मौजूद थे।

हिट एंड रन कानून के विरोध में चालकों में आक्रोश

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा से लेकर देश भर के वाहन चालकों (ड्राइवरों) में भारी आक्रोश है। केन्द्र सरकार द्वारा हाल ही में बदले गए कानून के विरोध में जगह-जगह चक्का जाम किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के ट्रक व बस चालकों ने नए कानून को काला कानून बताते हुए इस कानून को वापस लेने की मांग की है। ड्राइवरों का कहना है कि नए कानून के बाद सड़कों पर ट्रक या बस चलाना असंभव हो जाएगा।

आपको बता दें कि हाल ही में केन्द्र सरकार के गृहमंत्री अमित शाह की देख-रेख में इंडियन पैनल कोड-2023 (आईपीसी-2023) लाया गया है। आईपीसी के अनेक कानूनों में बदलाव की प्रक्रिया संसद से पारित की जा चुकी है। नए बदलाव में सड़क दुर्घटना की धारा में भी बदलाव किया गया है। पहले आईपीसी की धारा-304ए (लापरवाही से मौत) के तहत आरोप साबित होने पर आरोपी को दो साल तक की जेल होने का प्रावधान था। नए कानून में दुर्घटना के लिए दोषी पाए जाने पर ड्राइवर को 10 साल तक की जेल तथा सात लाख रूपए तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है।

उत्तर प्रदेश समेत देश भर के ड्राईवर इस कानून को काला कानून बताकर इसके विरोध में आंदोलन पर उतर आए हैं।

नए कानून के खिलाफ उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और पश्चिम बंगाल समेत कई प्रदेशों में प्राइवेट बस ऑपरेटर आज हड़ताल पर चले गए हैं तो वहीं ऑटो चलाने वालों ने भी नए कानून के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ट्रक ड्राइवरों का आरोप है कि नया कानून ड्राइवरों को उनकी ड्यूटी से हतोत्साहित करेगा।

ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि, कोई भी जानबूझकर दुर्घटना नहीं करता है और ड्राइवरों को डर है कि अगर वे घायलों को अस्पताल ले जाने की कोशिश करेंगे तो भीड़ उनकी पिटाई कर देगी, इसलिए वे इस 'काले कानून' को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। ट्रक और बस चालकों ने यह भी आशंका जताई कि अगर कोहरे के कारण कोई दुर्घटना होती है, तो चालक को बिना किसी गलती के 10 साल की सजा होगी। ड्राइवरों को दुर्घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों द्वारा परेशान किए जाने का डर रहता है और इसलिए, वे अधिकारियों को इसकी सूचना दिए बिना ऐसी स्थितियों से भागने की कोशिश करते हैं।

केंद्र के नए हिट एंड रन कानून के विरोध में सोमवार को उत्तर प्रदेश के कई जिलों में निजी और रोडवेज बसों का आवागमन बंद है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी हो रही है।

उत्तर प्रदेश के नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, बुलंदशहर, मेरठ तथा मुजफ्फरनगर जिलों से लेकर प्रदेश भर में बसों व ट्रकों के ड्राईवर हड़ताल पर चले गए हैं। नोएडा (गौतमबुद्धनगर) जिले में बस यूनियन के अध्यक्ष राजकुमार सिंह ने नए कानून को काला कानून करार दिया है। उन्होंने कहा कि हिट एंड रन कानून के विरोध में सोमवार को सभी निजी बसों की हड़ताल रखी गयी है। दो जनवरी को राष्ट्रीय स्तर पर बैठक करके आंदोलन की आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

नोएडा बस एसोसिएशन के सचिव कौशल अग्रवाल ने बताया कि बिना कोई सलाह मशविरा किए सरकार ने कानून में बेहद गलत प्रावधान कर दिए हैं। इन प्रावधानों के विरोध में उत्तर प्रदेश समेत देश भर में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। कौशल अग्रवाल ने भी नए कानून को काला कानून करार दिया है।